मनेन्द्रगढ़
27 जुलाई 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

चंडीगढ़ में लेडी ट्यूटर ने अपने स्टूडेंट से संबंध बनाए

समझाने पर बोली- तलाक दे दूंगी; परेशान पति ने फंदा लगा सुसाइड किया

चंडीगढ़,एजेंसी। चंडीगढ़ में 32 साल की लेडी ट्यूटर के अपने ही 20 साल के स्टूडेंट से अफेयर का पता चलने पर पति ने सुसाइड कर लिया। परिवार ने पत्नी को समझाने की खूब कोशिश की लेकिन उसने कहा कि वह स्टूडेंट को नहीं छोड़ेगी और पति को तलाक दे देगी। इसका वीडियो भी सामने आया है। ज्यादा समझाने पर नाराज होकर वह बेटी को लेकर मायके चली गई।

जिसके बाद पति ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके स्टूडेंट प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में अब मृतक के परिजनों, पत्नी और स्टूडेंट से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

8 साल पहले शादी, 6 साल की बेटी, ट्यूशन पढ़ाती थी पत्नी: चंडीगढ़ पुलिस के मुताबिक 33 साल का मोनू पत्नी के साथ मौलीजागरां के मौली कॉम्पलेक्स में रहता था। 8 साल पहले उसकी शादी कोमल से हुई थी।

अमरनाथ यात्रा: 19वें जत्थे में 4,474 तीर्थयात्री जम्मू से बालटाल के लिए रवाना

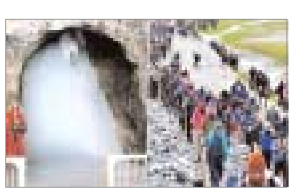

जम्मू,एजेंसी। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 4,474 तीर्थयात्रियों का 19वां जत्था कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार जत्था सुबह 2:42 बजे 166 वाहनों में रवाना हुआ जिनमें 93 बसें, 26 मिनी-बसें और 47 हल्के मोटर वाहन शामिल थे। पहलगाम रूट के लिए कोई जत्था नहीं भेजा गया।

इस जत्थे में 3,531 पुरुष, 785 महिलाएं, 96 साधु, 51 साध्वियां, 10 बच्चे और एक ट्रांसजेंडर तीर्थयात्री शामिल है। लगातार बारिश के कारण एनएच-44 पर कई संवेदनशील जगहों पर भू-स्खलन, कीचड़ खिसकने और पत्थर गिरने की घटनाओं के बाद यात्रा छह दिनों तक रुकी रही। और जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग भी तीन दिन बंद रहा। शुक्रवार को सड़क को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया जिससे शनिवार को यात्रा फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया।

पीएम बोले: युवाओं ने देश का मान बढ़ाया

● यंग इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था ● मन की बात में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती।

पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था।

हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया।

मोदी बोले- 12 सालों में खादी की बिक्री छह गुना बढ़ी: पीएम ने कहा- कुछ दिनों बाद देश नेशनल हैंडलूम डे मनाएगा। हाथ से बने उत्पाद देश के अलग-अलग हिस्सों के हुनर और मेहनत का प्रतीक हैं। आज पोचमपल्ली, पटना और कच्छ जैसे क्षेत्रों के हैंडलूम उत्पादों को नई पहचान मिल रही है। मोदी ने कहा कि पिछले 12 सालों में खादी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है और इसकी बिक्री छह गुना बढ़कर 8 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। उन्होंने लोगों से खादी खरीदने की अपील की। साथ ही त्रिपुरा के सूरज कुमार देव वर्मा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने पारंपरिक चोंग पैंग वाद्य यंत्र और त्रिपुरा के अन्य लोक वाद्य यंत्रों को फिर से लोकप्रिय बनाने का काम किया है।

कार्यक्रम के अंत में मोदी ने कहा कि 27 जुलाई को भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि, इसी सप्ताह गुरु पूर्णिमा और कुछ ही सप्ताह बाद स्वतंत्रता दिवस है। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले लोगों को याद करना चाहिए और 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। साथ ही लोगों से भविष्य के 'मन की बात' कार्यक्रम के लिए सुझाव भेजते रहने की अपील भी की।

मोदी ने मणिपुर के वैज्ञानिक डॉ. रोनाल्डो मीनांशम का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने युवा आकाशगंगाओं (यंग गैलेक्सीज) की खोज की है। उन्होंने इस नई आकाशगंगा का नाम 'लोकटक प्रोटोक्लस्टर' रखा, जो मणिपुर की प्रसिद्ध लोकटक झील के नाम पर है। इससे मणिपुर का नाम दुनियाभर में पहुंच रहा है।

पीएम ने मिट्टी से बने गणेश की पूजा करने की अपील की... प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 'मन की बात' में उन्होंने लोगों से मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की पूजा करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि पीओपी और प्लास्टिक की मूर्तियों से बचना चाहिए। मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा करना प्रकृति की भी पूजा है।

पीएम बोले- युवा इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था: पीएम ने कहा कि पिछले रविवार विक्रम-1 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था।

पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव गिरफ्तार होकर बेऊर जेल भेजे गए

नीट विरोध प्रदर्शन के दौरान 307 का मामला दर्ज

पटना,एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे और जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेजप्रताप यादव को पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर बेऊर जेल भेज दिया है। नीट पेपर लीक के विरोध और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर पटना में हुए हिंसक प्रदर्शनों में तेजप्रताप सड़क पर उतरे थे। शनिवार को बिहार बंद के दौरान 13 जिलों में उपद्रव की खबरें आईं, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए देर रात तेजप्रताप यादव को गिरफ्तार कर लिया। उन पर रामगुलाम चौक पर प्रदर्शन के दौरान छात्रों को हिंसा के लिए भड़काने का गंभीर आरोप है। तेजप्रताप यादव के वकील जगन्नाथ सिंह के अनुसार, जेजेडी प्रमुख पर आईपीसी की धारा 307 (हत्या की कोशिश) समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

वकील का दावा है कि तेजप्रताप को 25 जुलाई की शाम लगभग 7:30 बजे सिटी सेंटर मॉल से उस समय उठाया गया जब वे अपने निजी समय में शॉपिंग कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने गिरफ्तारी की तात्कालिक वजह नहीं बताई और परिजनों या कानूनी प्रतिनिधियों को तुरंत एफआईआर की कॉपी भी उपलब्ध नहीं कराई गई। देर रात ही उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई पर जेजेडी नेता वीणा मानवी ने तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों और युवाओं के हक में आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन किसी अज्ञात ऊपरी आदेश के तहत एकतरफा कार्रवाई कर रहा है, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। वीणा मानवी के अनुसार, जिस तरह से बिना स्पष्ट कारण बताए निजी स्थान से तेजप्रताप को उठाया गया, वह राज्य में बढ़ती प्रशासनिक मनमानी और अनिश्चितता की स्थिति को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर राज्यभर में छात्रों और विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है।

पेपर लीक के खिलाफ आज नया बिल आ सकता है

जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे

» 10 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट: बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

अपील के लिए भी सख्त नियम... बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

राहुल बोले-स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया

● शाह को चिट्ठी लिखी ● सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

नई दिल्ली,एजेंसी। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की। राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्रांतिकारी जनता पार्टी (CJP) का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद CJP के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं।

इनमें पेपर लीक मामलों में 10 साल की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने, नया नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाने और नियुक्तियों की स्वतंत्रता के बारे में कहा गया।

छात्रों की सफलता ने साबित किया, सरकार को चुनौती दे सकते हैं जेन-जी: राज ठाकरे

मुंबई,एजेंसी। मुंबई में नीट परीक्षा के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने विजय मार्च निकाला। इस रैली के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शन की सफलता ने साबित कर दिया है कि 'जेन-जी' सरकार को चुनौती दे सकती है; इस रैली में उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे भी मौजूद थे। मुंबई में उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की रैली में उन नीट परीक्षार्थियों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को नीट पेपर लीक को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलन की सराहना करते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि छात्रों ने यह साबित कर दिया है कि 'वोट चुराए जा सकते हैं, लेकिन लोगों को नहीं'। शिवाजी पार्क में आयोजित 'तिरंगा रैली' को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि छात्रों ने एकजुट होकर लोकतंत्र के इतिहास में सुनहरा अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि यह किसी चुनाव की जीत नहीं, बल्कि 'देशभक्तों की अंधभक्तों पर जीत' है और यह भाजपा के खिलाफ एक बड़े संघर्ष की शुरुआत है। इस रैली में बड़ी संख्या में कॉलेज छात्र-छात्राएं तिरंगा लेकर पहुंचे। कई छात्र संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरों वाले पोस्टर लेकर भी शामिल हुए। यह रैली केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आयोजित की गई। उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि धर्मेंद्र प्रधान को पहले क्यों नहीं हटाया गया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनका दर्द किसी भी मंत्री को हटाने से बड़ा है और उसे कभी नहीं भुलाया जा सकता।

उन्होंने युवाओं से आंदोलन की भावना को बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सत्ता के अहंकार को बर्दाश्त न करें और देश को कमजोर नहीं होने दें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के मंत्री जनता के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय राजनीतिक दलों को तोड़ने में लगे हैं।

गुजरात, महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट

● असम में बाढ़ से 7 लाख लोग प्रभावित, 66 मौतें ● हिमाचल में लैंडस्लाइड से 134 सड़कें बंद

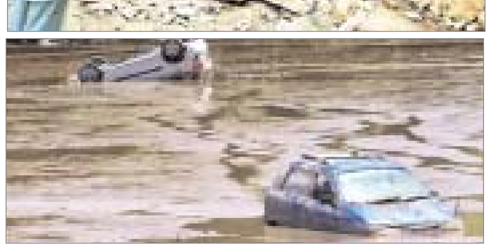

एमपी के 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 24 घंटे में 4 इंच तक पानी बरसने की चेतावनी... मध्य प्रदेश के शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 4 इंच या उससे ज्यादा बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर समेत 50 जिलों में हल्की बारिश और बादल छाए रहने का अनुमान है। द्बस्ध्र ने अगले 4 दिन कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

नई दिल्ली,एजेंसी। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सड़कें बंद हैं। 4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बिहार के 17 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40-50किमी. की रफ्तार से हवा चल सकती है।

सपा के गढ़ में योगी, बोले-अपराधी जेल या जहन्नुम जाएंगे

माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम चलता रहेगा बेटियों को परेशान करने वालों की खैर नहीं

मैनपुरी,एजेंसी। सीएम योगी ने रविवार को सपा के गढ़ मैनपुरी में कहा- पहले धार्मिक आयोजनों के दौरान प्रतिबंध और तनाव का माहौल रहता था। लेकिन, अब कांवड़ यात्रा, रामनवमी, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा, दीपावली और होली जैसे सभी पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जाते हैं। अब न कर्फ्यू है, न दंगा है... यूपी में सब चंगा है। योगी ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब मैनपुरी के नाम से लोग घबराते थे। लेकिन आज यहां का युवा, किसान और व्यापारी पूरे देश में सम्मान के साथ पहचाना जाता है। इससे पहले, योगी ने मैनपुरी में ?682 करोड़ की लागत वाली 111 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने पौधारोपण कर प्रदर्शनी भी देखी।

'पहले मैनपुरी का नाम सुनकर लोग कमरा तक नहीं देते थे': सीएम योगी ने कहा कि कभी मैनपुरी की पहचान अपराध और अराजकता से जुड़ गई थी। यहां के युवाओं को दूसरे शहरों के होटल में कमरा नहीं मिलता था। धर्मशालाओं में ठहरने से मना कर दिया जाता था और किराए पर मकान लेने में भी परेशानी होती थी। लेकिन, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा सरकार के प्रयासों से मैनपुरी अपनी पौराणिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के साथ नई पहचान बना चुका है। अब जब कोई युवक अपना परिचय मैनपुरी का बताता है, तो उसे सम्मान मिलता है।

'गरीब, किसान, महिला और युवा सरकार की प्राथमिकता': मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीब, किसान, महिला और युवा को केंद्र में रखकर योजनाएं चला रही है। 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के तहत अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता, लैपटॉप और शिक्षा की सुविधा दी जा रही है।

सीएम योगी ने आगे कहा... भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश में अपराधियों के लिए सिर्फ दो ही जगहें बची हैं- जेल या जहन्नुम। उनके लिए तीसरी कोई जगह नहीं है। माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम चलता रहेगा। अगर कोई अपराधी बेटी और व्यापारी की सुरक्षा के लिए खतरा बनेगा, तो उसे भी मिट्टी में मिला दिया जाएगा।

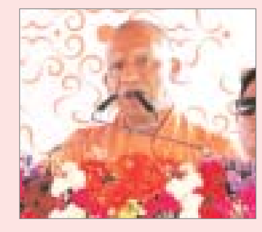

नदियों की गाद से बनेंगे पंजाब के बड़े राजमार्ग, सरकार के नए फैसले से परियोजनाओं को मिलेगी तेज रफ्तार

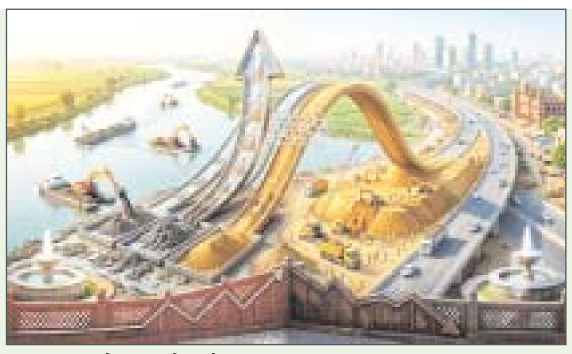

चंडीगढ़, एजेंसी। राज्य में निर्माणाधीन और प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। एनएचएआई राज्य में हजारों करोड़ रुपये की लागत से कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिनमें बड़े पैमाने पर मिट्टी की जरूरत पड़ती है। पहले निर्माण एजेंसियों को अलग-अलग स्थानों से मिट्टी खरीदनी पड़ती थी, जिससे लागत और समय दोनों बढ़ते थे। नई अधिसूचना से सरकार को डी-सिल्टिंग से निकली सामग्री के निस्तारण की समस्या से राहत मिलेगी, जबकि एनएचएआई को कम लागत पर आवश्यक मिट्टी उपलब्ध हो सकेगी। अधिकारियों का मानना है कि इससे पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुनः उपयोग और आधारभूत ढांचा विकास–तीनों उद्देश्यों को एक साथ बढ़ावा मिलेगा।

स्थिति को देखते हुए लिया निर्णयः इनमें दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, लुधियाना-रूपनगर (रोपड़) ग्रीनफील्ड हाईवे, अमृतसर बाईपास, जालंधर बाईपास, मोहाली-सरहिंद मार्ग के उन्नयन, तथा भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किए जा रहे विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं।

इन परियोजनाओं में बड़ी मात्रा में मिट्टी की आवश्यकता होती है, जिसे अब डी-सिल्टिंग से निकली सामग्री से पूरा किया जा सकेगा। राज्य सरकार पिछले कुछ समय से मानसून से पहले और बाद में नदियों, घग्गर, सतलुज, ब्यास तथा प्रमुख ड्रेनों की डी-सिल्टिंग पर जोर दे रही है ताकि बाढ़ का खतरा कम किया जा सके। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की रफ्तार बढ़ाने और नदियों-चोओं की सफाई से निकलने वाली मिट्टी के बेहतर उपयोग के लिए बड़ा फैसला लिया है।

नदियों की सफाई का कार्य तेज होगा

जल संसाधन विभाग ने 22 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और उसके अधिकृत ठेकेदारों को पंजाब की नदियों व ड्रेनों की डी-सिल्टिंग (गाद निकालने) के दौरान निकलने वाली मिट्टी का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में करने की अनुमति दे दी है। इससे एक ओर नदियों की सफाई का कार्य तेज होगा तो दूसरी ओर हाईवे निर्माण के लिए आवश्यक मिट्टी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।अधिसूचना के अनुसार डी-सिल्टिंग स्थलों का आवंटन एनएचएआई या उसके अधिकृत ठेकेदारों को नामांकन के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए 3 रुपये प्रति घन फुट की आरक्षित दर तय की गई है। यह व्यवस्था 30 जून 2027 तक प्रभावी रहेगी। जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला मंत्रिमंडल मामलों से जुड़े सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति के बाद लागू किया गया।

भोजशाला के मुख्य प्रवेश मार्ग के पास नमाज की मांग, सुरक्षा को लेकर खड़ा हुआ कानून व्यवस्था का सवाल

धार, एजेंसी। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट के 14 जुलाई के अंतरिम आदेश के बाद अब पूरा मामला केवल 'निकट स्थान' की कानूनी व्याख्या तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उस स्थान की वास्तविक स्थिति भी चर्चा का विषय बन गई है, जहां मस्जिद पक्ष नमाज की व्यवस्था चाहता है। दरअसल, नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद पक्ष हजरत खिलजी की दरगाह से सटा स्थल चाहता है, लेकिन वहां पहुंचने का प्रमुख मार्ग भोजशाला के मुख्य प्रवेश क्षेत्र से होकर गुजरता है। यानी दोनों धार्मिक स्थलों तक पहुंचने के लिए एक ही प्रवेश क्षेत्र का उपयोग होता है। ऐसे में, कानून व्यवस्था के तर्क पर प्रशासन इसके लिए सहमत नहीं हुआ। गत 17 जुलाई को जारी कलेक्टर के आदेश में भी इसी स्थिति का उल्लेख है। आदेश के अनुसार, मस्जिद पक्ष ने भोजशाला के मुख्य द्वार के दाईं ओर दरगाह से लगे उस स्थान पर नमाज की अनुमति मांगी, जहां पूर्व में वजू किया जाता था। प्रशासन ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि इस स्थान पर नमाज की अनुमति देने की स्थिति में दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकासी मार्ग उपलब्ध कराना संभव नहीं होगा।

40 पीर का विकल्प, लेकिन सहमति नहीं जिला प्रशासन कानून व्यवस्था के तर्क पर ही वैकल्पिक स्थल पर जोर दे रहा है। तीन दिन पहले प्रशासन ने मस्जिद पक्ष के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके मालीवाड़ा स्थित 40 पीर (मालीवाड़ा) सहित कुछ अन्य स्थानों का प्रस्ताव रखा था। हालांकि मस्जिद पक्ष ने इसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश में प्रयुक्त 'निकट स्थान' की भावना के अनुरूप नहीं बताया।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार से पहले सहमति बनाने के लिए एक और बैठक हो सकती है। 29 जुलाई को सुनवाई अब पूरा फोकस 29 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई पर है। यदि अदालत नमाज के लिए प्रस्तावित स्थान या अंतरिम व्यवस्था को लेकर कोई नया निर्देश देती है तो प्रशासन के पास उसके अनुरूप व्यवस्था करने के लिए आगामी शुक्रवार यानी 31 जुलाई के लिए केवल दो दिन का समय होगा। जबकि उसके बाद मामले की अंतिम सुनवाई पांच अगस्त को प्रस्तावित है।

पहली बार देखें झांसी की रानी का असली रूप, जीवित रहते बनाया गया पहला ऐतिहासिक चित्र आया सामने

भोपाल, एजेंसी। दतिया के संग्रहालय में कोने में रखे मिले दो फीट लंबे और पौने दो फीट चौड़े एक चित्र ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े इतिहास को जीवंत कर दिया है। माना जा रहा है कि यह रानी की जीवित अवस्था का पहला चित्र है। इसमें उन्हें घोड़े पर सवार दिखाया गया है। ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत पांडुलिपियों के संग्रहण और संरक्षण के दौरान यह चित्र सामने आया है। इसे वर्ष 1849-50 के आसपास का माना जा रहा है। मध्य प्रदेश राज्य पुरातत्व संग्रहालय एवं अभिलेखागार के इतिहासकार डॉ. मो. वसीम खान कहते हैं कि रानी कुलदेवी की पूजा के लिए कभी-कभी कड़ी सुरक्षा में जाती थीं। इसमें इस दृश्य का चित्रांकन है। यह समय उनके पति गंगाधर राव के वर्ष 1853 में निधन के पहले का है। पुरातत्व विभाग के आयुक्त मदन कुमार नागरगोजे बताते हैं कि ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत पांडुलिपियों के संग्रहण और संरक्षण के दौरान दतिया संग्रहालय से टीम को यह दुर्लभ चित्र मिला है। इसे संरक्षित किया जाएगा। डॉ. वसीम बताते हैं कि रानी बहुत विशेष लोगों से ही मिलती थीं। इसी कारण रानी के चित्र नहीं हैं। जबकि अन्य तत्कालीन रियासतों की तुलना में गंगाधर राव के समय चित्रकारों को अच्छा संरक्षण मिला हुआ था। उनके मुख्य चित्रकार सुखलाल थे।

इस बात की प्रबल संभावना है कि यह चित्र भी सुखलाल ने ही बनाया होगा। इस रंगीन चित्र में सोने के कणों का उपयोग किया गया है। परिवार के लोगों के पास एक ही चित्र 18 जून, 1858 को अंग्रेजों से लड़ते हुए रानी के वीरगति को प्राप्त होने के बाद नजदीकी दतिया रियासत की तरफ से भेजे गए कर्मचारियों ने उनके महल से यह चित्र लाकर रखा था। रियासतों का विलय होने के बाद यह चित्र पुरातत्व विभाग के संग्रहालय में रखा गया था। डॉ. वसीम बताते हैं कि अभी रानी का एक ही चित्र (ब्लैक एंड व्हाइट) पुस्तकों और इंटरनेट मीडिया में मिलता है जो रानी के वीरगति को प्राप्त होने के बाद उनके दत्तक पुत्र दामोदर राव ने बनवाया था। रानी का अभी तक एक ही प्रमाणित चित्र विश्व में मौजूद है, जो उनके परिवार के पास सुरक्षित है। इसे उनके पुत्र द्वारा स्मरण में मौजूद रानी की छवि के आधार पर इंदौर के एक चित्रकार द्वारा बनवाया गया था। दतिया से प्राप्त यह पेंटिंग प्रचलित चित्र से बहुत समानता रखता है। इसका संरक्षण जरूरी है, क्योंकि यह बहुमूल्य धरोहर है।

स्मृति ईरानी से धर्मेंद्र प्रधान तक... 12 साल में बदले 4 शिक्षा मंत्री, एक भी पूरा नहीं कर पाए कार्यकाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार के 12 सालों के कार्यकाल में अब तक चार शिक्षा मंत्री बनाए जा चुके है लेकिन इनमें से एक भी अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए है। इनमें स्मृति ईरानी से लेकर प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल निशंक और अब धर्मेंद्र प्रधान का भी नाम जुड़ गया है। वैसे तो अब तक बने शिक्षा मंत्रियों में धर्मेंद्र प्रधान सबसे अधिक यानी पांच सालों तक इस पद पर रहे, लेकिन दो कार्यकाल मिलाकर। उन्हें मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के बीच में 2019 में शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी दी गई थी, जो तीसरे कार्यकाल के बीच में ही छोड़ना पड़ गया।

12 साल में 4 शिक्षा मंत्रीः 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार में सबसे पहले स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया गया, जो उस समय मानव संसाधन विकास मंत्री के तौर पर जाना जाता था, लेकिन दो साल के बाद ही उन्हें हटा दिया गया है। उनकी जगह जुलाई 2016 में प्रकाश जावड़ेकर को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अब के शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह भी करीब तीन साल तक ही इस पद पर रह पाए। इसके बाद मई 2019 में रमेश पोखरियाल निशंक को शिक्षा मंत्री बनाया गया, लेकिन उन्हें भी दो साल बाद हटा दिया गया। जुलाई 2021 में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के बीच धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री का दायित्व सौंपा गया, जो अब तक इस पद को देख रहे थे और पिछले 12 सालों में रहे शिक्षा मंत्रियों में सबसे अधिक समय तक इस पद रहे। 12 सालों में किस शिक्षा मंत्री का कितना रहा कार्यकाल? स्मृति ईरानी- मई 2014 से जुलाई 2016 तक - दो साल एक महीना से अधिक। प्रकाश जावडेकर- जुलाई 2016 से मई 2019 तक - करीब तीन साल। रमेश पोखरियाल निशंक- मई 2019 से जुलाई 2021 तक - दो साल एक महीना। धर्मेंद्र प्रधान- जुलाई 2021 से जुलाई 2026 तक - पांच साल से अधिक।

पाकिस्तान में सेना का बढ़ा दबदबाः क्या शहबाज से छिनी सबसे बड़ी ताकत अब मुनीर के हाथ 'न्यूक्लियर बटन'

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अपने रक्षा ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए परमाणु हथियारों और रणनीतिक मिसाइल प्रणाली की ऑपरेशनल कमान सेना को सौंप दी है। नए कानून के तहत नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड (एनएससी) का गठन किया गया है, जिसकी कमान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास होगी।

क्या है नया सैन्य ढांचा और किसे मिली कमानः 27वें संविधान संशोधन के बाद एनएससी का गठन किया गया है, जिसके तहत परमाणु हथियारों और अन्य महत्वपूर्ण रणनीतिक संसाधनों का संचालन अब सीधे केंद्रीय सैन्य कमान के अधीन होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमिर रजा को फोर-स्टार जनरल के रूप में पदोन्नत कर इस नई कमान का पहला कमांडर नियुक्त किया है। नया ढांचा काफी हद तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के मॉडल पर तैयार किया गया है।

पहले व्यवस्था क्या थी और अब क्या बदल गयाः पहले पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के अधीन था, जिसके अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री होते थे।

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या उनकी तैनाती का अंतिम फैसला प्रधानमंत्री करते थे। अब नए सैन्य पुनर्गठन के तहत गठित एनएससी ने वास्तविक कमान संभाल ली है। प्रधानमंत्री की भूमिका अब केवल सूचना प्राप्त करने तक सीमित रह गई है। निर्णय लेने की मुख्य शक्ति अब चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के पास है।

चंद्रमा से आया नया सबूतः 50 वर्ष पुराना महाविनाश का सिद्धांत सवालों के घेरे में, उल्कापिंडों पर क्या पता लगा

वाशिंगटन, एजेंसी। चंद्रमा के शुरुआती इतिहास को लेकर वैज्ञानिकों की 50 वर्षों से चली आ रही अवधारणा अब नए सिरे से जांच के दायरे में आ गई है।

चीन के चांग-ई-6 मिशन द्वारा पहली बार चंद्रमा के पृथ्वी से हमेशा छिपे रहने वाले दूरस्थ (फारसाइड) हिस्से से लाए गए चट्टानी नमूनों के अध्ययन में ऐसे प्रमाण मिले हैं। इसने लेट हेवी बॉम्बार्डमेंट सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसके अनुसार, चंद्रमा पर उल्कापिंडों की टक्करें किसी छोटे और विनाशकारी दौर में नहीं, बल्कि अरबों वर्षों तक धीरे-धीरे होती रहीं। शोधकर्ताओं ने कहा, यदि आगे के शोध भी इसकी पुष्टि करते हैं, तो न केवल चंद्रमा के विकासक्रम बल्कि प्रारंभिक पृथ्वी व जीवन की उत्पत्ति से जुड़ी वैज्ञानिक समय-रेखा पर भी नए सिरे से विचार करना पड़ सकता है।

4.33 अरब वर्ष पुराने संकेत भी मिले : शोधकर्ताओं ने प्रभाव के कारण पिघली 28 सूक्ष्म चट्टानी संरचनाओं का विश्लेषण किया। इनमें से कुछ नमूनों की आयु के संकेत 4.33 अरब वर्ष पुराने आंके गए, जबकि अन्य की आयु 1.13 अरब वर्ष तक की मिली। तीन नमूनों की आयु लगभग 4.16 अरब वर्ष निकली।

नए अध्ययन में नहीं मिला किसी महाविनाशकारी दौर का प्रमाणः चांग-ई-6 के नमूनों में वैज्ञानिकों को लगभग 3.9 अरब वर्ष पहले की टक्करों का कोई बड़ा समूह नहीं मिला। यानी नए अध्ययन में महाविनाशकारी दौर का कोईनहीं मिला है।

सांवलिया सेठ को किसान ने दान में दी 10 बीघा जमीन, बहुमंजिला मकान भी करेंगे भगवान के नाम

उदयपुर, एजेंसी। आस्था और समर्पण का अनूठा उदाहरण सामने आया है। डूंगरपुर जिले के आसपुर निवासी किसान अमरजी पाटीदार ने करीब 1.50 करोड़ मूल्य की 10.15 बीघा जमीन भगवान श्री सांवलिया सेठ के नाम दान कर दी है। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने करीब 1.50 करोड़ के बहुमंजिला मकान को भी भगवान के नाम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अमरजी पाटीदार शनिवार को सांवलियाजी मंदिर पहुंचे और बताया कि 23 जुलाई को उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री भगवान श्री सांवलिया सेठ के नाम कराई। उन्होंने कहा कि इस दान की प्रक्रिया पूरी करने में उन्हें करीब 10 साल तक सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े, क्योंकि जमीन अलग-अलग रिश्तेदारों के नाम दर्ज थी। सभी हिस्सों को एकत्र कर उन्होंने 10.15 बीघा जमीन मंदिर के नाम कर दी। उनकी इच्छा है कि इस भूमि पर गौशाला या सामाजिक उपयोग का कोई कार्य किया जाए। मंदिर मंडल के प्रशासनिक अधिकारी प्रथम शिवशंकर पारीक ने बताया कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद लगभग 1.165 हेक्टेयर (10.15 बीघा) भूमि भगवान श्री सांवलिया सेठ के नाम दर्ज कर दी गई है।

ओंकारेश्वर में दर्दनाक घटनाः सेप्टिक टैंक में गिरा नागपुर का तीन साल का बच्चा, इलाज के दौरान दम तोड़ा

खंडवा, एजेंसी। नागपुर से माता-पिता के साथ तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने आए तीन वर्षीय बच्चे की खुले पड़े सेप्टिक टैंक में गिरने से मौत हो गई। शुक्रवार सुबह हुए इस हादसे में बस से उतरते ही मासूम आगे दौड़ने के दौरान अंधेरे में सेप्टिक टैंक में गिर गया। नगर परिषद ने अतिक्रमण कार्रवाई के बाद सेप्टिक टैंक को खुला छोड़ दिया था। मासूम की चीख सुनकर पिता भी टैंक में कूद गए। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे को निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। जिस सेप्टिक टैंक में बच्चा गिरा, वह ओंकारेश्वर में ब्रह्मपुरी पार्किंग के पास धर्मशाला परिसर का है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सिंहस्थ-2028 की तैयारी के तहत नगर परिषद ने यहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। इसी दौरान निर्माण तोड़ा और सेप्टिक टैंक खुला रह गया। उसे बंद करने की चिंता परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नहीं की। इस लापरवाही से हादसा हो गया। ओंकारेश्वर नगर परिषद के सीएमओ मोनिका का कहना है कि जब हमने अतिक्रमण तोड़ा था, उस स्थान पर ऊपर कंक्रीट का स्लैब था। धर्मशाला वालों ने कुछ लोहा निकालने के लिए वहां पर काम किया था, जिससे वह गड्ढा खुला रखा गया।

ईरान पर बड़े हमले की योजना से ट्रंप क्यों पीछे हटे, सलाहकारों ने किस बड़े खतरे से किया आगाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान में बड़ा बदलाव करते हुए शुक्रवार को अमेरिकी सेना को नए हवाई हमले नहीं करने का निर्देश दिया। इससे पहले लगातार 13 दिनों तक अमेरिका की ओर से रोज सैन्य कार्रवाई की जा रही थी। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय आया, जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बातचीत के लिए ओमान का एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा। ट्रंप ने साफ किया कि अमेरिका के पास सैन्य कार्रवाई की पूरी क्षमता है, लेकिन उनकी पहली कोशिश बातचीत के जरिए समाधान निकालने की है। ट्रंप के इस फैसले ने पश्चिम एशिया की स्थिति को नया मोड़ दे दिया। बताया गया कि ओमान और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति हुई है और सप्ताहांत तक किसी समझौते पर सहमति बन सकती है। अगर ऐसा होता है तो अंतिम फैसला ट्रंप को लेना होगा कि वह प्रस्तावित समझौते को स्वीकार करते हैं या नहीं। हालांकि अमेरिकी सेना ने संभावित बड़े सैन्य अभियान की तैयारियां पूरी तरह बंद नहीं की हैं। सेना को कम समय में दोबारा कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

ट्रंप ने हमले क्यों रुकवाए और क्या कहाः पिछले दो सप्ताह से हर दोपहर अमेरिकी सैन्य अधिकारी ट्रंप के सामने हमलों की योजना पेश कर रहे थे और कुछ ही घंटों में उन पर कार्रवाई हो जाती थी। शुक्रवार को भी ऐसी ही योजना उनके सामने रखी गई, लेकिन इस बार ट्रंप ने मंजूरी देने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहे तो ईरान की हर सैन्य क्षमता को खत्म कर सकता है, लेकिन उनके अनुसार सबसे समझदारी भरी रणनीति समझौता करना है। ट्रंप ने कहा, 'हम अभी ईरानियों से बातचीत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे हर गुजरते दिन के साथ ज्यादा गंभीर हो रहे हैं। हम पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन बातचीत भी जारी है। '

बाद में ट्रंप के सुर क्यों बदलेः शुक्रवार शाम व्हाइट हाउस कॉरस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के रात्रिभोज में ट्रंप ने कुछ नरम रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौते के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन अगर बातचीत की संभावना बनती है तो वह उसे सुनने के लिए तैयार हैं। इस बीच ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपुर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'ईरान में रात शांतिपूर्ण रही।' वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड (ष्टश्वहृञ्जष्टह्ररू) ने भी पिछले 13 दिनों की तरह किसी नए सैन्य अभियान की घोषणा नहीं की।

इस्राइल की तैयारी पर क्या असर पड़ाः ट्रंप के अचानक फैसले से इस्राइल भी हैरान रह गया। इस्राइल की सुरक्षा कैबिनेट और इस्राइली रक्षा बल को उम्मीद थी कि शुक्रवार को अमेरिका एक और बड़े हवाई हमले की शुरुआत करेगा।

इसी संभावना को देखते हुए इस्राइल ने संभावित जवाबी हमलों से निपटने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी थीं और पूरे दिन हाई अलर्ट बनाए रखा। बाद में शुक्रवार रात इस्राइली अधिकारियों को औपचारिक रूप से बताया गया कि ट्रंप ने नए हमलों को मंजूरी नहीं दी है। इसके बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव बना हुआ है।

बड़े सैन्य अभियान की योजना क्यों टलीः एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े स्तर पर सैन्य अभियान की योजना भी फिलहाल रोक दी है।

इसकी एक बड़ी वजह अमेरिकी रक्षा अधिकारियों की चेतावनी बताई गई। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तैनात पैट्रियट एयर डिफेंस इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार तेजी से कम हो रहा है। आशंका जताई गई कि अगर बड़े स्तर पर युद्ध शुरू हुआ तो अमेरिकी सैनिकों, खाड़ी देशों के सहयोगियों और महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सैन्य अधिकारियों ने यह भी बताया कि जॉर्डन में एक बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए गिरी थी, जिसमें तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। इसके बाद सुरक्षा संसाधनों को लेकर चिंता और बढ़ गई।

अमेरिका की आगे की रणनीति क्या होगीः बताया गया कि जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन कैन ने ट्रंप को सलाह दी कि बड़े सैन्य अभियान चलाना संभव तो है, लेकिन इससे अमेरिकी सेंट्रल कमांड के लिए उपलब्ध इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार खतरनाक स्तर तक घट सकता है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन च्यूंग ने कहा कि ट्रंप हमेशा से कूटनीतिक समाधान के पक्षधर रहे हैं, लेकिन अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य या सहयोगी देशों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां जारी रखता है तो सभी विकल्प खुले हैं।

मध्यप्रदेश ताम्रकार कसेरा समाज समिति की प्रादेशिक कार्यसमिति बैठक सतना में संपन्न, संगठन विस्तार और सामाजिक उत्थान पर हुआ मंथन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश ताम्रकार कसेरा समाज समिति की प्रादेशिक कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सतना स्थित स्वर्ण पैलेस में उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों और कार्यसमिति सदस्यों ने समाज की एकता, संगठन विस्तार, शिक्षा, व्यापार, सामाजिक सहयोग और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की कार्यक्रम की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण से की गई इसके पश्चात भगवान सहस्त्रबाहु महाराज के पूजन-अर्चन के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण ताम्रकार, प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र पैगवार, संरक्षक सदस्य एवं महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, कार्यकारी अध्यक्ष पुष्पेंद्र ताम्रकार, महासचिव प्रदीप ताम्रकार, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल ताम्रकार (मौसम), प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अतुल सेठा तथा कोषाध्यक्ष हरिओम ताम्रकार सहित प्रदेशभर से आए पदाधिकारी मौजूद रहे।

समाज की एकता और संगठन मजबूती पर जोर: कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल ताम्रकार (मौसम) ने दिया उन्होंने कहा कि समाज को संगठित होकर आपसी मतभेदों और दुर्भावनाओं से ऊपर उठकर सामाजिक गतिविधियों को गति देनी होगी उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति एकता, सहयोग और समर्पण से ही संभव होती है उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिनकी बातों में वजन होता है उन्हें अपनी बात साबित करने के लिए शोर मचाने की आवश्यकता नहीं होती समाज में सकारात्मक सोच और रचनात्मक कार्यों के माध्यम से ही पहचान बनाई जा सकती है।

शिक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने का आह्वान: राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण ताम्रकार ने समाज के विकास में शिक्षा, सामाजिक प्रगति, उद्योग और व्यापार की भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और स्वरोजगार एवं व्यापार के नए अवसरों को अपनाएं उन्होंने कहा कि युवा समाज की शक्ति हैं और उनके विकास से ही समाज का भविष्य मजबूत होगा उन्होंने समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर आगे बढ़ने की आवश्यकता बताई संरक्षक सदस्य एवं महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने समाज की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रत्येक सामाजिक कार्यक्रम को पूरे तन, मन और धन से सफल बनाने के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए उन्होंने कहा कि जब तक समाज अपनी एकजुटता का परिचय नहीं देगा, तब तक राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अपेक्षित प्रतिनिधित्व प्राप्त करना कठिन रहेगा उन्होंने समाजजनों से अपील की कि जो व्यक्ति समाजहित में कार्य कर रहा है, उसका सहयोग करें और यदि सहयोग संभव न हो तो आलोचना से बचें प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र पैगवार ने बैठक में संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने, समाज की आईटी सेल का गठन करने और डिजिटल माध्यमों से समाज के लोगों को जोड़ने की योजना प्रस्तुत की उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों को आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए स्थानीय समितियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि भोपाल में समाज के स्थायी प्रदेश कार्यालय एवं समाज भवन के निर्माण के लिए भूमि अथवा भवन की व्यवस्था करने का प्रयास किया जाएगा वर्तमान कार्यकाल में इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है उन्होंने संगठन की निर्णय प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए कोर कमेटी को और अधिक प्रभावी बनाने तथा प्रदेश में आयोजित होने वाले सभी समाज सम्मेलन स्थानीय समितियों और प्रदेश संगठन के समन्वय से आयोजित करने का निर्णय लिया।

र धारा ग्राम योजना के तहत कलेक्टर ने पशुपालकों से किया संवाद, वैज्ञानिक डेयरी अपनाकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप संचालित र धारा ग्राम योजना के तहत कलेक्टर विकास मिश्रा ने विकासखंड रामपुर नैकिन के ग्राम भेलकी-820 और हर्दिहा का भ्रमण कर पशुपालकों से चौपाल के माध्यम से संवाद किया उन्होंने डेयरी गतिविधियों का निरीक्षण कर पशुपालकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए कलेक्टर ने जगन्नाथ पटेल, रामकरण पटेल, जगदीश पटेल और देवशरण पटेल के डेयरी शेडों का निरीक्षण कर दुग्ध उत्पादन एवं आय की जानकारी ली उन्होंने वैज्ञानिक पशुपालन, कृत्रिम गर्भाधान, उच्च नस्ल के पशुओं का संवर्धन, संतुलित आहार, हरे चारे के उत्पादन तथा नियमित टीकाकरण और स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष जोर दिया उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है चौपाल के दौरान पशुपालकों ने डेयरी ऋण स्वीकृति में देरी और अधिक ब्याज वसूली की समस्या रखी। इस पर कलेक्टर ने लीड बैंक मैनेजर को संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाकर पात्र पशुपालकों को नियमानुसार ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए कलेक्टर ने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही ऐसी योजना शुरू करेगी, जिसके तहत पात्र बच्चों को प्रतिदिन 180 मिलीलीटर दूध निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा उन्होंने पशुपालकों से अधिक उत्पादन कर सांची दुग्ध संघ से जुड़ने का आग्रह किया, ताकि स्थानीय स्तर पर उत्पादित दूध का प्रसंस्करण और विपणन सुनिश्चित हो सके उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. आर.के. सोनी ने बताया कि अभियान के दूसरे चरण में चिन्हित गांवों में पशु पंजीयन, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार, गर्भ परीक्षण, उपचार और हरे चारे के उत्पादन जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे इस अवसर पर एसडीएम चुरहट अजय शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षा और नवाचार पर मंथन, कलेक्टर ने विकसित भारत के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय, सीधी में कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंध समिति एवं जिला स्तरीय मेस समिति की बैठक आयोजित हुई बैठक में विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, पीएम योजना के तहत संचालित गतिविधियों, जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) की तैयारियों, छात्रावास संचालन, पेयजल, विद्युत, इंटरनेट, सुरक्षा व्यवस्था तथा आधारभूत अधोसंरचना सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण संस्थान है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालय में पेयजल, इंटरनेट और विद्युत संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और अन्य गतिविधियां निर्बाध रूप से संचालित हो सकें बैठक में खेल मैदान के उन्नयन एवं अन्य आवश्यक विकास कार्यों के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) मद से सहयोग उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी इस दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार विज्ञान एवं नवाचार आधारित मॉडलों का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता की सराहना करते हुए चार उत्कृष्ट मॉडलों को और विकसित कर जिला स्तरीय कार्यक्रमों में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए विद्यालय के सभागार में विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब विद्यार्थी ज्ञान, अनुशासन, नवाचार और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों के साथ आगे बढ़ेंगे उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का आह्वान किया वहीं विद्यार्थियों को मेहनत, सकारात्मक सोच और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालयों के छात्र देश की अमूल्य प्रतिभा हैं।

सिंगरौली में ही खर्च होगा डीएमएफ का फंड, प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा कर दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की प्रभारी मंत्री संपत्तिया उइके ने रविवार को विकास कार्यों और विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में बड़ा निर्णय साझा करते हुए कहा कि अब जिला खनिज प्रतिष्ठान का वार्षिक लगभग 950 करोड़ रुपये का फंड केवल सिंगरौली जिले के विकास कार्यों पर ही खर्च किया जाएगा उन्होंने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को सरकार ने स्वीकार कर लिया है बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और जनकल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने बताया कि सिंगरौली बाईपास सड़क परियोजना के लिए 300 करोड़ रुपये तथा मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार आधारभूत ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है उन्होंने नागरिकों से सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रामनिवास शाह, विधायक राजेंद्र मेश्राम, विधायक विश्वामित्र पाठक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक संपन्न, भवन निर्माण और संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी सत्र 2026-28 की प्रथम बैठक रविवार को विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित की गई बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, भवन निर्माण, सदस्य विस्तार और सामाजिक गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए बैठक का शुभारंभ अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा भगवान गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष संजय वाधवानी ने की, जबकि संचालन संस्था महामंत्री राजेंद्र गुरु द्वारा किया गया संस्था अध्यक्ष संजय वाधवानी ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन की आगामी योजनाओं पर चर्चा की उन्होंने संस्था के भवन निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी देते हुए इसे जल्द से जल्द पूरा करने पर जोर दिया इस पर सभी सदस्यों ने भवन निर्माण में सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में संस्था के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर भी चर्चा हुई संगठन की गतिविधियों और फंड को मजबूत करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिकल मर्चेंट डायरी एवं पत्रिका प्रकाशन का निर्णय लिया गया इसमें संस्था के सभी सदस्यों का विवरण शामिल किया जाएगा साथ ही विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन भी प्रकाशित किए जाएंगे पिकनिक प्रभारी संजय गुप्ता ने इस वर्ष संस्था की पिकनिक नेपाल अथवा धर्मशाला आयोजित करने का सुझाव दिया इस पर सदस्यों ने अपने विचार रखे और शीघ्र ही पिकनिक आयोजन का निर्णय लिया गया सर्वसम्मति से संजय गुप्ता को पिकनिक प्रभारी नियुक्त किया गया बैठक में पत्रिका प्रकाशन समिति के संयोजक के रूप में कमल मगनानी को सर्वसम्मति से जिम्मेदारी सौंपी गई वहीं भवन निर्माण संयोजक दीपक अग्रवाल ने निर्माण कार्य की जानकारी देते हुए आश्वासन दिया कि सभी के सहयोग से भवन निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा संस्था की जिला स्तर पर बैठकों को और प्रभावी बनाने के लिए इकाई प्रभारियों के सहयोग से नियमित बैठकें आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया इस अवसर पर नवनिर्वाचित विंध्य चेंबर पदाधिकारियों का संस्था की ओर से सम्मान किया गया।

मन की बात में सीधी के जल संरक्षण मॉडल की गूंज, जनप्रतिनिधियों ने बताया जिले के लिए गौरव और प्रेरणा का क्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में सीधी जिले के जल संरक्षण कार्यों और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की सराहना किए जाने पर जिलेभर में उत्साह का माहौल है जिले के सांसद और विधायकों ने इसे न केवल सीधी, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान ने जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देने लगे हैं प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जल संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए सीधी जिले में बनाए गए लगभग 1500 तालाबों और जनसहभागिता से संचालित जल संरक्षण कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने देशवासियों से वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को सहेजने, तालाबों, कुओं और बावड़ियों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बचाई गई पानी की हर बूंद आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है प्रधानमंत्री द्वारा जिले के प्रयासों की सराहना किए जाने पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि यह सीधी जिले के किसानों, स्व-सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का सम्मान है उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले ने जिस प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है उसका राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे जिले में जल संरक्षण के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी तथा लोगों की भागीदारी भी बढ़ेगी सीधी विधायक रीती पाठक ने कहा कि 'मन की बात' में सीधी का नाम लिया जाना जिले के प्रत्येक नागरिक के लिए सम्मान और गर्व का विषय है उन्होंने कहा कि जल संरक्षण कार्यों से किसानों को सिंचाई के बेहतर साधन उपलब्ध हुए हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट कम हुआ है तथा महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर भी विकसित हुए हैं उन्होंने कहा कि सीधी का यह मॉडल प्रदेश ही नही बल्कि देश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान ने जनसहभागिता को नई दिशा दी है उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए किए गए कार्यों का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना प्रत्येक जिलेवासी के लिए गौरव का विषय है इससे किसानों की आय बढ़ने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में जल संरक्षण, अमृत सरोवर, तालाब निर्माण और लिफ्ट सिंचाई जैसी योजनाओं ने किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सीधी जिले के प्रयासों की प्रशंसा जल संरक्षण से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए सम्मान और प्रेरणा का विषय है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में सीधी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के अग्रणी जिलों में अपनी पहचान और मजबूत करेगा जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है यदि समाज और प्रशासन मिलकर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में कार्य करें, तो जल संकट जैसी चुनौतियों का स्थायी समाधान संभव है उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री के आह्वान को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने और अपने-अपने क्षेत्रों में तालाबों, कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की जिले में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब निर्माण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जनसहभागिता पर विशेष बल दिया गया।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने रविवार को विकासखंड रामपुर नैकिन के ग्राम चदैनिया का भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन मकानों का जायजा लिया, हितग्राहियों से संवाद कर निर्माण की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित, सम्मानजनक और पक्का आवास उपलब्ध कराना है उन्होंने हितग्राहियों से अपील की कि शासन से प्राप्त आर्थिक सहायता का सदुपयोग करते हुए निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करें ताकि वे जल्द अपने नए घर में प्रवेश कर सकें कलेक्टर ने निर्माणाधीन आवासों की गुणवत्ता का बारीकी से निरीक्षण किया और लाभार्थियों से निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं की जानकारी ली उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी भी हितग्राही को तकनीकी, प्रशासनिक अथवा अन्य किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लाभार्थियों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए जिससे निर्माण कार्य में किसी प्रकार का अनावश्यक विलंब न हो।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की सतत समीक्षा करने, गुणवत्ता बनाए रखने तथा लाभार्थियों के साथ नियमित संपर्क में रहने के निर्देश भी दिए उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना हैइस अवसर पर उपखंड अधिकारी अजय शर्मा, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजीव तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे अधिकारियों ने कलेक्टर को योजना की प्रगति और निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय, सीधी में रविवार को कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और राष्ट्रभक्ति के उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रभाकर सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ, जिसमें प्राध्यापकगण, अधिकारी, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर कारगिल युद्ध के अमर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं कारगिल के वीर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ इसके बाद सभी उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन रखकर मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को नमन किया अपने संबोधन में प्राचार्य प्रो. प्रभाकर सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति को अपने जीवन का आधार बनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, ऑपरेशन विजय की सफलता और भारतीय सैनिकों के पराक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कारगिल के वीरों का बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। विद्यार्थियों को युद्ध के इतिहास और सेना की वीरता से परिचित कराने के लिए कारगिल युद्ध पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया देशभक्ति गीतों और प्रेरक विचारों ने पूरे माहौल को राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत कर दिया। इस अवसर पर 'एक पेड़ शहीद के नाम' अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

सीधी में यूरिया की कालाबाजारी का आरोप, 266 की खाद 650 तक बेचने का दावा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली क्षेत्र में यूरिया खाद की कालाबाजारी और निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने के आरोप सामने आए हैं किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा निर्धारित266 प्रति बोरी की यूरिया खाद उन्हें500 से 650 तक में खरीदनी पड़ रही है किसानों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है ग्रामीण किसान लाल देव गुप्ता ने बताया कि उन्होंने शनिवार को एक बोरी यूरिया650 में खरीदी थी, जबकि अगले ही दिन उसी खाद की कीमत500 बताई गई। किसान रामावतार शुक्ला ने भी दावा किया कि उन्हें एक बोरी यूरिया500 में खरीदनी पड़ी किसानों का आरोप है कि खाद विक्रेता मनमाने तरीके से कीमत वसूल रहे हैं और निर्धारित दरों का पालन नहीं किया जा रहा ग्रामीणों ने विशेष रूप से मझौली के एक खाद विक्रेता पर निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बेचने का आरोप लगाया है उनका कहना है कि खेती के इस महत्वपूर्ण सीजन में किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर अतिरिक्त राशि वसूली जा रही है, जिससे उनकी लागत लगातार बढ़ रही है किसानों का कहना है कि समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होने और मांग बढ़ने के कारण उन्हें मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

कड़े कानून कितने प्रभावी

केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले में कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन विपक्षी दल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े हैं। कानूनों को कठोर करने के बावजूद पेपर लीक जारी हैं, जिससे दोषियों को समय पर सजा न मिलने और एनटीए जैसी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

बीते दो-तीन दिनों में परीक्षाओं और विशेष रूप से मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश परीक्षा नीट के पेपरलीक होने के मामले में केंद्र सरकार ने जो अनेक कदम उठाए, उनसे यह कहना कठिन है कि काकरोच जनता पार्टी और विपक्षी दल संतुष्ट होंगे, क्योंकि वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र पर अड़े हैं। इसमें संदेह है कि सरकार इस मांग पर सहमत होगी, लेकिन उसे यह तो सुनिश्चित करना ही चाहिए कि परीक्षाओं में पेपरलीक की समस्या का वास्तव में समाधान हो। यह ठीक है कि उसने पेपरलीक के आरोपितों के मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुने जाने की व्यवस्था करने के साथ ही सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम को कठोर करने का फैसला किया है, लेकिन इसकी अनदेखी न की जाए कि इस कानून को 2024 में भी कठोर किया गया था और इसके बाद भी पेपरलीक हुए। न केवल केंद्रीय परीक्षाओं के पेपरलीक हुए, बल्कि राज्यों की परीक्षाओं के भी। स्पष्ट है कि कानूनों को कठोर करने मात्र से समस्या का समाधान होना तब तक कठिन है, जब तक दोषियों को समय रहते सख्त सजा नहीं मिलती। इस मामले में अभी तक का अनुभव कोई अच्छा नहीं रहा।

संपादकीय

गिनती के मामलों में ही पेपरलीक के दोषियों को दंड का भागीदार बनाया जा सका है, क्योंकि जांच एजेंसियों और अदालतों के तौर-तरीके में कोई ठोस बदलाव नहीं हुए। यह एक तथ्य है कि सीबीआइ 2024 के नीट पेपरलीक मामले के मुख्य अभियुक्त के खिलाफ पुख्ता प्रमाण नहीं जुटा सकी। यह समझा जाए कि पेपरलीक संबंधी कानून को कठोर करने के साथ ही ऐसी व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता है, जिससे किसी परीक्षा में सेंध ही न लग सके। इसके लिए एनटीए और परीक्षाएं आयोजित-संचालित कराने वाली ऐसी ही अन्य संस्थाओं के कामकाज को भी सुधारना होगा। यह एक विडंबना ही है कि एनटीए का गठन केंद्रीय परीक्षाओं को सही तरह से कराने के लिए ही किया गया था, लेकिन यह संस्था अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। इसका एक कारण यह है कि वह परीक्षाओं के आयोजन में बाहरी सलाहकारों और विशेषज्ञों पर निर्भर हैं। क्या यह विचित्र नहीं कि जिस संस्था पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी है, उसके पास मामूली स्थायी स्टाफ है? हमें इस सच का भी सामना करना होगा कि कुछ मामलों में शिक्षक ही पेपरलीक में लिप्त पाए गए। नीट के पेपर भी शिक्षकों ने लीक कराए। यह नैतिक पतन का शर्मनाक उदाहरण है। नैतिकता के इस पतन के कारण ही हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार पनप रहा है- शिक्षा और परीक्षा के क्षेत्र में भी। संकट यह है कि भ्रष्ट तत्वों को दंडित करने के मामले में सरकारें कोई उदाहरण पेश नहीं कर सकी हैं। जिस समाज में भ्रष्ट तत्व फलते-फूलते जा रहे हों, वहां कठोर होते कानून एक सीमा तक ही प्रभावी हो सकते हैं।

मैंग्रोव वन: प्रकृति के अनमोल तटीय रक्षक और उनका पारिस्थितिक महत्व

मोहन शर्मा

मैंग्रोव वनों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना। समुद्री जैव विविधता की रक्षा करना। तटीय क्षेत्रों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखना।जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मैंग्रोव की भूमिका को समझाना। सरकारों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों तथा समाज को संरक्षण कार्यों में सहभागी बनाना। मैंग्रोव क्या हैं? मैंग्रोव ऐसे वृक्ष एवं झाड़ियाँ हैं जो समुद्र तटों, नदी के मुहानों , दलदली क्षेत्रों तथा 'वार-भाटा वाले स्थानों पर उगते हैं। इनकी जड़ें पानी के ऊपर दिखाई देती हैं जिन्हें श्वसन जड़ें कहा जाता है। ये जड़ें ऑक्सीजन की कमी वाले दलदली क्षेत्रों में पौधों को जीवित रहने में सहायता करती हैं।

मैंग्रोव की प्रमुख विशेषताएँ खारे पानी में भी जीवित रहते हैं।मिट्टी का कटाव रोकते हैं। समुद्री लहरों की गति कम करते हैं।तूफान एवं सुनामी से प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। अत्यधिक मात्रा में कार्बन का संग्रह करते हैं। हजारों प्रकार के जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल हैं। मछलियों एवं झींगों की अनेक प्रजातियों के प्रजनन स्थल हैं। मैंग्रोव का पारिस्थितिक महत्व समुद्री जीवन की सुरक्षा - अनेक मछलियाँ, केकड़े, झींगे, घोंघे, पक्षी तथा अन्य समुद्री जीव मैंग्रोव वनों पर निर्भर रहते हैं। तटीय सुरक्षा - मैंग्रोव तेज़ हवाओं, चक्रवात, सुनामी और समुद्री लहरों की शक्ति को कम कर तटीय क्षेत्रों की रक्षा करते हैं। कार्बन अवशोषण - मैंग्रोव सामान्य वनों की तुलना में कई गुना अधिक कार्बन संग्रहित कर जलवायु परिवर्तन को कम करने में सहायता करते हैं। जैव विविधता का संरक्षण - ये हजारों वनस्पतियों एवं जीवों का प्राकृतिक आवास हैं। मत्स्य पालन को बढ़ावा - मछलियों के प्रजनन स्थल होने के कारण मत्स्य उद्योग को अत्यधिक लाभ मिलता है। भारत में मैंग्रोव भारत में लगभग 4,900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में मैंग्रोव पाए जाते हैं। प्रमुख मैंग्रोव क्षेत्र - सुंदरबन (पश्चिम बंगाल) - विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन, भितरकनिका (ओडिशा) - अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, गुजरात का क'छ क्षेत्र, गोदावरी एवं कृष्णा डेल्टा (आंध्र प्रदेश), पिचावरम (तमिलनाडु), महाराष्ट्र एवं गोवा के तटीय क्षेत्र। सुंदरबन का महत्व सुंदरबन विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है। यह भारत एवं बांग्लादेश में फैला हुआ है। यहाँ प्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर पाया जाता है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। यह अनेक दुर्लभ जीवों का प्राकृतिक आवास है। मैंग्रोव के समक्ष प्रमुखखतरे तटीय शहरीकरण, औद्योगिक प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, समुद्र का बढ़ता जलस्तर, अवैध कटाई, बंदरगाह एवं निर्माण कार्य, अत्यधिक मत्स्य दोहन। संरक्षण के उपाय बड़े पैमाने पर मैंग्रोव वृक्षारोपण। तटीय क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण पर नियंत्रण। प्लास्टिक एवं रासायनिक प्रदूषण रोकना। स्थानीय समुदायों की सहभागिता।विद्यार्थियों एवं युवाओं में पर्यावरण शिक्षा। जैव विविधता संरक्षण कार्यक्रम। वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की नियमित निगरानी। मैंग्रोव और जलवायु परिवर्तन आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रही है। मैंग्रोव वन वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसे लंबे समय तक मिट्टी में सुरक्षित रखते हैं। इसी कारण इन्हें ब्लू कार्बन इकोसिस्टम भी कहा जाता है। विद्यार्थियों की भूमिका पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें।पौधारोपण करें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। समुद्र एवं नदियों को स्व'छ रखें। पर्यावरण संबंधी जागरूकता फैलाएँ। मैंग्रोव संरक्षण अभियानों में भाग लें। प्रेरक संदेश यदि समुद्र तटों को सुरक्षित रखना है, जैव विविधता को बचाना है और आने वाली पीढ़ियों को स्व'छ पर्यावरण देना है, तो मैंग्रोव वनों का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। मैंग्रोव वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि पृथ्वी के जीवन-रक्षक पारिस्थितिकी तंत्र हैं। वे समुद्री जीवों को आश्रय देते हैं, तटीय क्षेत्रों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाते हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हैं और मानव जीवन को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सीजेपी प्रोटेस्ट और युवा : जेन जी को शिक्षा के साथ संस्कार आवश्यक

मनीषा शर्मा

सीजेपी आंदोलन खत्म हो गया, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में मुझे सबसे ज्यादा चिंता हुई इस युवा पीढ़ी की जो वहाँ उपस्थित थी। उनके आचरण, व्यवहार और प्रयोग की जा रही भाषा सबने एक पालक और शिक्षक होने के नाते मुझे झकझोर कर रख दिया। क्या यह पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है? उनकी शिक्षा के विषय में क्या ही बात की जाए। कोई आईएएस की तैयारी कर रहा है, कोई मेडिकल की, कई उच्च शिक्षित थे, कई विद्यार्थी प्रसिद्ध और नामी विवि के थे। मतलब हम इन्हें उच्च शिक्षित कह सकते हैं लेकिन जब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, रील, मीम्स देखते हैं तो दिमाग जवाब दे जाता है। क्या यह वाकई शिक्षित है? यदि हां तो हम कैसी शिक्षा व्यवस्था चला रहे जो इस पीढ़ी को यह तक ना सिखा पाई कि एक शिक्षित और सभ्य इंसान की भाषा का स्तर क्या होता है। हमारे यहां कहा जाता है कि जब आप बोलते हो तो सिर्फ आप नहीं बोलते बल्कि आपका पूरा खानदान बोलता है। अर्थात आपके मुंह खोलते ही आपकी परवरिश सामने आ जाती है जो बताती है आपके घर का माहौल कैसा है। लेकिन यह बात सो कूल कहलाने वाली जेनरेशन नहीं जानती। एक पालक और शिक्षक होने के नाते में पूरी जिम्मेदारी से बोल रही हूं कि

बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारित करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। यह भाषा जो जंतर-मंतर पर बोली जा रही थी गालियों और नारों के रूप में उस व्यक्ति के लिए जो आपके पिता या दादा की उम्र का है, ये किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। मैं जो सुन भी नहीं पा रही थी वो 18- 19 साल की लड़कियां बोल रही थी। ये युवा वो है जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है। मैं ही क्यों मेरे जैसे अनेक लोग जो आज भी भाषा की मर्यादा और संयम जानते हैं वह भी यही मान रहे हैं। सीजेपी आंदोलन के दौरान कुछ युवाओं द्वारा किए गए प्रदर्शन में अभद्र भाषा, गाली-गलौज और अराजक व्यवहार की घटनाओं ने पूरी युवा पीढ़ी और समाज के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा किया है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का शीर्ष नेतृत्व से प्रश्न पूछने का अधिकार है। लेकिन उस अधिकार के साथ कर्तव्य और जिम्मेदारी भी जुड़ी है। अधिकार का प्रयोग पूर्ण मर्यादा और जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। यदि कोई भी विरोध अपनी गरिमा और संयम और अनुशासन खो देता है तो उसका उद्देश्य कमजोर हो जाता है। इस सीजेपी आंदोलन में पूरे समय शालीनता के स्थान पर अपशब्द, अभद्रता तथा हिंसक प्रवृत्ति हावी दिखी। यह घटना इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है कि युवा का केवल उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। विद्या ददाति विनयम अर्थात विद्या विनम्रता प्रदान करती है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील और अनुशासित बनाना है। यदि शिक्षित होने के बावजूद किसी व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में संयम, सम्मान, विनम्रता और नैतिकता का अभाव दिखता है तो यह बताता है कि शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान नहीं किए गए। संस्कारों का समुचित विकास नहीं हो पाया। संस्कार देना किसी एक व्यक्ति का काम नहीं। यह परिवार, समाज और विद्यालय तीनों के संयुक्त प्रयासों से ही विकसित होते हैं। यही संस्कार हमें सिखाते हैं कि किसी बात को कैसे रखा जाए। किसी से यदि मतभेद हो तब भी संवाद की भाषा सभ्य होनी चाहिए। असहमति को तर्क से व्यक्त किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। अपशब्दों और अराजकता से न तो कभी विचारों को मजबूती मिली है और न ही समाज को। हालाँकि मैं यह भी समझती हूं कि एक आंदोलन में शामिल कुछ युवाओं के व्यवहार के आधार देश के सभी युवाओं को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। इससे पूर्व कई आंदोलन हुए जहां शांतिपूर्ण तरीके से लोगों ने अपनी बात रखी हैं। लेकिन चिंता की बात तो यह है कि सो कूल कहलाने के लिए, बनने के लिए युवा पीढ़ी किस स्तर पर आ रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा के साथ युवा के चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के विकास पर भी समान रूप से बल दिया जाए। यहां माता-पिता की भूमिका भी अति महत्वपूर्ण हो जाती है। ज्ञान के साथ संस्कार अति आवश्यक है। संस्कार, अनुशासन और संयम से ही समाज और देश को जिम्मेदार नागरिक मिलते हैं। सभ्य भाषा, अनुशासित आचरण और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन ही किसी भी मांग को, आंदोलन को प्रभावी और सम्मानजनक बनाता है। बात कहने का सलीका हो हो हर बात सुनी जाती है। आज आवश्यकता है कि युवाओं को सो कूल के नाम पर अमर्यादित और असभ्य और असंयमित होने से बचाने के लिए माता-पिता को घर में, शिक्षक को स्कूल और विश्वविद्यालयों में आगे आना होगा। युवा से संवाद कर उन्हें आचरण की शिक्षा भी देनी होगी। शिक्षा किसी भी मनुष्य को योग्य बनाती है लेकिन संस्कार ही उसे श्रेष्ठ बनाते हैं। इसलिए एक सशक्त और सभ्य समाज के निर्माण के लिए शिक्षा और संस्कार, दोनों का संतुलित और समन्वय आवश्यक है।

कुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता

हृदयनारायण दीक्षित

प्रशासन तंत्र लोक कल्याणकारी कामों का लाभ आमजनों तक ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशासन तंत्र को सक्रिय किया है। प्रधानमंत्री नीति व निर्णयों में तेज रफ्तार गतिशील हैं। वे सारी कार्य संस्कृति बदल रहे हैं। आखिरकार सभी सुधारों का अंतिम उपकरण प्रशासन तंत्र है। नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्रशासन तंत्र द्वारा ही होता है। नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र में जड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी अपने कर्तव्यों के निर्वाहन में जनता से दूरी बनाए रखते हैं। देश में अधिकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों के मध्य अच्छे सम्बंध नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र में तनाव रहता है। मारपीट की नौबत तक आ जाती है। आदर्श लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। सो उत्कृष्ट, निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे संविधान तंत्र में सरकारें संसद व विधानमण्डलों के सामने जवाबदेह हैं। जनप्रतिनिधि भी प्रत्येक 5 वर्ष के बाद आम जनता के समक्ष होते हैं। लेकिन प्रशासन तंत्र की कोई जवाबदेही नहीं। प्रशासन तंत्र संवेदनहीन और निष्क्रिय है और सरकारें सक्रिय। भारतीय प्रशासन का इतिहास पुराना है। प्राचीन प्रशासन की प्रशंसा फाहयान ने भी 'शासन प्रबंध सुव्यवस्थित, उदार व सौम्य' बताकर की है। मौर्यकाल (340 ई0पूर्व) में भी सुगठित राष्ट्रनिष्ठ शासन तंत्र था। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में प्रशासन तंत्र का खूबसूरत विवरण है। सिंधु घाटी सभ्यता (2200 ई0पूर्व से 1750 ई0पूर्व तक) के प्रशासन को ह्वीलर व पिगाट जैसे विद्वानों ने भी सुगठित बताया है। उत्तर वैदिक काल व वैदिक काल का प्रशासन समाज के साथ एकताबद्ध और उत्तरदायी था। अंग्रेजी शासकों ने अपने साम्राज्य को मजबूत करने का प्रशासन तंत्र बनाया था। अंग्रेज सरकारों ने भी प्रशासनिक सुधारों के लिए कई आयोग बनाए थे। प्रशासन ही सत्ता चलाने का उपकरण था। वे स्वाभाविक ही प्रशासनिक सुधारों पर सजग थे लेकिन स्वतंत्र भारत में लम्बे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने प्रशासनिक सुधारों पर कोई ठोस काम नहीं किया। प्रशासन परम स्वतंत्र होने की स्थिति का उपभोग करता आया है। भारतीय संविधान की उद्देशिका व नीति निदेशक तत्व सरकार व प्रशासन तंत्र के मार्गदशक हैं। वे सुस्थापित विधि नहीं बल्कि सरकार व प्रशासन के कामकाज की आत्मा है। प्रशासन तंत्र इन सूत्रों से नहीं जुड़ता। स्वतंत्र भारत (1951) में प्रशासन की कार्यशैली पर एन0डी0 गोरेवाला की रिपोर्ट 'लोक प्रशासन पर प्रतिवेदन' नाम से आई। रिपोर्ट के अनुसार 'कोई भी लोकतंत्र स्पष्ट, कुशल व निष्पक्ष प्रशासन के अभाव में सफल नियोजन नहीं कर सकता।'

खनन : विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का वैश्विक संकल्प

शीलेन्द्र उपाध्याय

मानव सभ्यता की प्रगति पृथ्वी की गोद में छिपी खनिज संपदा के कारण संभव हो सकी है। ऊर्जा, अधोसंरचना, चिकित्सा, परिवहन, रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान और आधुनिक तकनीक का आधार खनिज संसाधन हैं। शीलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि आज पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती विकास की गति को बनाए रखते हुए पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है। उनके

अनुसार इसका एकमात्र समाधान उत्तरदायी एवं सतत खनन है। शीलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि खनन केवल खनिज निकालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी का विषय भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खनन परियोजना में वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण तथा खदानों के वैज्ञानिक पुनर्वास को अनिवार्य रूप से अपनाया जाना चाहिए। इससे विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

शीलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि आधुनिक तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता , ड्रोन सर्वेक्षण, रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से खनन को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है। उनका कहना है कि वैज्ञानिक सोच और नवाचार ही भविष्य के खनन उद्योग को नई दिशा देंगे। पर्यावरण संरक्षण और उत्तरदायी खनन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शीलेन्द्र उपाध्याय को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। शीलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि पृथ्वी केवल वर्तमान पीढ़ी की धरोहर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमानत है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग संवेदनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उत्तरदायित्व के साथ किया जाना चाहिए। शीलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि यदि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता दी जाए, तो खनन मानव कल्याण का सबसे बड़ा माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि सच्चा विकास वही है, जो आर्थिक समृद्धि के साथ प्रकृति का संतुलन बनाए रखे और मानवता को सुरक्षित भविष्य प्रदान करे। अपने संदेश के अंत में शीलेन्द्र उपाध्याय ने बताया, 'प्रकृति से उतना ही लें, जितना उसे लौटाने का संकल्प हमारे भीतर हो। यही उत्तरदायी खनन है, यही सतत विकास है और यही मानव सभ्यता के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है।'

गर्भावस्था के दौरान देखभाल में कमी से बढ़ता जोखिम

हाल के महीनों में राजस्थान के छोटे और दूर-दराज के अस्पतालों में इमरजेंसी सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की मौत के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी देखी गई। ये दुखद घटनाएं सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उन युवा प्रसूताओं की कहानी हैं, जिन्होंने नई जिंदगी को जन्म देते हुए अपनी जान गंवा दी। उनकी मौतें गर्भावस्था के दौरान देखभाल में गंभीर कमियों की ओर इशारा करती हैं। जिन महिलाओं की मौतें हुईं, उनमें अधिकांश पहले से ही हाई-रिस्क गर्भावस्था से जूझ रही थीं।

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में लेड, मर्करी या आर्सेनिक जैसी धातुओं की मौजूदगी भी पाई गई है।ये कारक पहले से मौजूद हाई-रिस्क गर्भावस्था के साथ जुड़ जाएं तो मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। इनमें गर्भावस्था में टॉक्सेमिया (खतरनाक रूप से हाई ब्लड प्रेशर), एचईएलएलपी सिंड्रोम (लिवर और रक्त के थक्के बनने से जुड़ी गंभीर समस्या) तथा गंभीर एनीमिया जैसी स्थितियां शामिल थीं। हालांकि मौत का तात्कालिक कारण सिजेरियन ऑपरेशन के दौरान उत्पन्न जटिलताएं थीं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि मूल समस्या गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त और समय पर देखभाल का अभाव था। गर्भावस्था के दौरान आयुर्वेदिक दवाओं के बढ़ते उपयोग ने भी विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है। ये दवाएं अक्सर बिना चिकित्सकीय सलाह के ली जाती हैं और आशा वर्कर, एएनएम या पारंपरिक दाइयों द्वारा इनका रेकॉर्ड भी नहीं रखा जाता। परिवार इन्हें प्राकृतिक और सुरक्षित मानते हैं, जबकि इनमें कुछ छिपे हुए जोखिम हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ जड़ी-बूटियां गर्भाशय को उत्तेजित कर समय से पहले संकुचन पैदा कर सकती हैं, हर्बल मिश्रण हार्मोनल संतुलन में बाधा डालते हैं जो स्वस्थ गर्भावस्था के लिए जरूरी हैं। कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में लेड, मर्करी या आर्सेनिक जैसी धातुओं की मौजूदगी भी पाई गई है। ये कारक पहले से मौजूद हाई-रिस्क गर्भावस्था के साथ जुड़ जाएं तो मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। गर्भावस्था के दौरान पारंपरिक उपचारों का रेकॉर्ड नहीं रखने से डॉक्टर्स के लिए जटिलताओं का कारण समझना मुश्किल हो जाता है। इमरजेंसी में यह जानलेवा साबित हो सकता है। इसी कारण विशेषज्ञ मातृ मृत्यु में आयुर्वेदिक उपचारों की भूमिका की व्यवस्थित जांच की आवश्यकता बता रहे हैं। उनके अनुसार, क्लिनिकल ऑडिट, आयुर्वेदिक दवाओं की टॉक्सिकोलॉजिकल जांच और सामुदायिक सर्वे के माध्यम से इन उपचारों के वास्तविक प्रभाव का बेहतर आकलन किया जा सकता है। मकसद आयुर्वेद को खारिज करना नहीं है, जिसकी सांस्कृतिक जड़ें गहरी हैं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हेल्थ वर्करों को यह पूछना और रिकॉर्ड करना चाहिए कि गर्भवती महिलाएं कौन-से इलाज अपना रही हैं। परिवारों को गर्भावस्था के दौरान बिना जांचे-परखे हर्बल दवाओं के खतरों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। डॉक्टरों को गर्भावस्था की जटिलताओं का इलाज करते समय हर्बल दवाओं से होने वाले जहरीले असर (टॉक्सिसिटी) पर विचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा सरकार गर्भवती महिलाओं के लिए बेची जाने वाली आयुर्वेदिक दवाओं को रेगुलेट कर सकती है और उनकी गुणवत्ता तथा सुरक्षा की नियमित जांच सुनिश्चित कर सकती है।

डाइट और सप्लीमेंट

गर्भस्थ शिशु को पोषण प्रदान करने के लिए, गर्भवती महिलाओं को अतिरिक्त कैलोरी की औसत संख्या का सेवन करना चाहिए (उन महिलाओं के लिए, जो बॉडी मास इंडेक्स (क्क्ष्ढ्ढ) की सामान्य सीमा के साथ गर्भावस्था शुरू करती हैं), जो कि हर तिमाही में अलग-अलग होती है:

पहली तिमाही (कोई अतिरिक्त कैलोरी नहीं)

दूसरी तिमाही (लगभग 340 किलो कैलोरी अतिरिक्त दैनिक)

तीसरी तिमाही (लगभग 450 किलो कैलोरी अतिरिक्त दैनिक)

आहार अच्छी तरह से संतुलित होना चाहिए और इसमें ताज़ा फल, अनाज और सब्जियां शामिल हों (गर्भावस्था के दौरान स्वस्थ भोजन: त्वरित सुझाव देखें)। ज़्यादा फाइबर वाले खाद्य पदार्थ एक अच्छा विकल्प है। मछलियों में पोषक तत्व होते हैं, जो गर्भस्थ शिशु की वृद्धि और विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को ऐसी मछलियों का चयन करना चाहिए जिनमें पारे की मात्रा कम हो। अधिक जानकारी के लिए समुद्री भोजन में पारा देखें। डॉक्टर सलाह देते हैं कि गर्भवती महिलाएं रोज़ाना आयरन और फोलेट युक्त प्रीनेटल मल्टीविटामिन लें, भले ही उनका आहार पर्याप्त हो। गर्भावस्था के लिए आवश्यक आयरन की मात्रा दोगुनी हो जाती है। अधिकांश प्रसव-पूर्व विटामिनों में गर्भावस्था के दौरान लौह आयरन की अनुशंसित दैनिक मात्रा होती है। अगर किसी महिला को एनीमिया है या गर्भावस्था के दौरान एनीमिया विकसित होता है, तो उसे अन्य गर्भवती महिलाओं की तुलना में आयरन की ज़्यादा खुराक लेने की ज़रूरत हो सकती है। आयरन की खुराक से हल्का पेट खराब और कब्ज़ हो सकता है। रोकथाम के लिए, सभी गर्भवती महिलाओं और जो महिलाएं गर्भवती होने की योजना बना रही हैं या गर्भवती होने वाली हैं, उन्हें प्रतिदिन 400 से 800 माइक्रोग्राम फ़ोलेट (फोलिक एसिड) युक्त पूरक आहार लेना चाहिए। इस तरह की खुराक अक्सर मल्टीविटामिन जैसे ओवर-द काउंटर उत्पादों में उपलब्ध होती है। फोलेट की कमी से मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी के जन्म दोष वाले बच्चे होने का जोखिम बढ़ जाता है (न्यूरल ट्यूब दोष), जैसे कि स्पाइना बिफिडा। जिन महिलाओं को पूर्व में न्यूरल ट्यूब दोष वाला बच्चा हो चुका है, उन्हें 4,000 माइक्रोग्राम फ़ोलेट लेना चाहिए, गर्भधारण से 3 महीने पहले से शुरू करके गर्भावस्था के 12 सप्ताह तक जारी रखना चाहिए–आमतौर पर अनुशंसित मात्रा की तुलना में बहुत ज़्यादा।

गर्भवती महिलाओं को भोजन का सुरक्षित रूप से प्रबंधन करना चाहिए, अधपके मांस या मछली से बचना चाहिए और उच्च पारा स्तर वाले कुछ खास समुद्री भोजन से बचना चाहिए। उन्हें लिस्टीरिया से प्रदूषित होने के उच्च जोखिम वाले खाद्य पदार्थों से भी बचना चाहिए, जिनमें शामिल हैं

कच्ची या दुर्लभ मछली, शेलफिश, मांस, पोल्ट्री या अंड

पास्चुरीकृत न किया गया रस, दूध, या पनीर

लंच या दुकान पर तैयार किया मीट, स्मोकड सीफ़ूड, और हॉट डॉग (जब तक कि भाप के तापमान तक गर्म न किया गया हो)

तैयार मांस या समुद्री भोजन सलाद, जैसे कि हैम सलाद, चिकन सलाद या टूना सलाद

कच्चे स्प्राउट्स, जिनमें अल्फाल्फा, तिपतिया, मूली और मंग बीन स्प्राउट शामिल हैं

वज़न बढ़ना

गर्भावस्था के दौरान एक महिला को वज़न कितना बढ़ाना चाहिए यह गर्भावस्था से पहले के बॉडी मास इंडेक्स (क्क्ष्ढ्ढ) पर निर्भर करता है। क्क्ष्ढ्ढ मीटर वर्ग में ऊंचाई से विभाजित किलोग्राम में वज़न है और इसका उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि ऊंचाई के लिए वज़न सामान्य है या नहीं। उच्च क्क्ष्ढ्ढ वाली महिलाओं को सामान्य या कम वज़न के रूप में वर्गीकृत क्क्ष्ढ्ढ वाली महिलाओं की तुलना में गर्भावस्था के दौरान कम वज़न बढ़ाना चाहिए। एक औसत कद की महिला को गर्भावस्था के दौरान लगभग 25 से 35 पाउंड (लगभग 11.5 से 16 किलोग्राम) वज़न बढ़ाना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान वज़न कम करने के लिए डाइटिंग की सिफारिश नहीं की जाती, मोटापे से ग्रस्त महिलाओं के लिए भी नहीं, क्योंकि गर्भस्थ शिशु के सामान्य रूप से विकसित होने के लिए कुछ वज़न बढ़ना ज़रूरी है।

मौसम विभाग कैसे बताता है बारिश का सटीक अनुमान सैटेलाइट, डॉप्लर रडार, मौसम गुब्बारे और सुपर कंप्यूटर का पूरा विज्ञान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मानसून के दौरान सबसे अधिक पूछा जाने वाला सवाल होता है–बारिश कब होगी किस जिले में भारी वर्षा होगी आंधी–तूफान या बिजली गिरने का खतरा कितना है इन सवालों के जवाब भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक विश्लेषण और 24 घंटे चलने वाली निगरानी प्रणाली के माध्यम से देता है मौसम का पूर्वानुमान किसी अनुमान या अनुभव पर नहीं, बल्कि सैटेलाइट, डॉप्लर वेदर रडार, मौसम गुब्बारों, स्वचालित मौसम केंद्रों, सुपर कंप्यूटर और वैज्ञानिकों के संयुक्त विश्लेषण पर आधारित होता है इस वर्ष मौसम विभाग ने अल–नीनो के प्रभाव के कारण देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश की संभावना जताई है इसका असर छत्तीसगढ़ में भी दिखाई दे रहा है प्रदेश में अब तक 398.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि का सामान्य औसत 483 मिमी है। यानी अब भी लगभग 18 प्रतिशत वर्षा की कमी बनी हुई है ऐसे में मौसम विभाग की भविष्यवाणियां किसानों, प्रशासन और आम नागरिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गई हैं मौसम विभाग सबसे पहले पृथ्वी की कक्षा में मौजूद मौसम उपग्रहों से जानकारी प्राप्त करता है। ये सैटेलाइट हर कुछ मिनट में बादलों की स्थिति, उनकी ऊंचाई, तापमान, नमी और समुद्र में बनने वाले निम्न दबाव क्षेत्रों की तस्वीरें भेजते हैं इन्हीं आंकड़ों से वैज्ञानिक यह समझते हैं कि कौन–सा मौसम तंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है और उसका प्रभाव किन क्षेत्रों पर पड़ेगा।

डॉप्लर वेदर रडार देता है रियल टाइम जानकारी: डॉप्लर वेदर रडार मौसम पूर्वानुमान की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक है यह रडार लगातार आकाश में मौजूद बादलों, वर्षा, ओलावृष्टि, आंधी और तेज हवाओं की गति और दिशा पर नजर रखता है इसकी मदद से मौसम विभाग अगले कुछ घंटों में होने वाले बदलावों का काफी सटीक अनुमान लगा सकता है। यही कारण है कि अब कई बार तीन से छह घंटे पहले ही भारी बारिश या तेज आंधी की चेतावनी जारी कर दी जाती है।

मौसम गुब्बारे से मिलती है ऊपरी वायुमंडल की जानकारी: हर दिन निर्धारित समय पर मौसम विज्ञान केंद्रों से विशेष उपकरणों से लैस मौसम गुब्बारे छोड़े जाते हैं इन गुब्बारों में लगे सेंसर हवा का तापमान, आर्द्रता, वायुदाब और हवा की गति जैसी जानकारियां हजारों मीटर की ऊंचाई तक रिकॉर्ड करते हैं यह डेटा मौसम मॉडल तैयार करने में बेहद अहम भूमिका निभाता है।

स्वचालित मौसम केंद्रों का बड़ा नेटवर्क: देशभर में हजारों ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन और वर्षामापी केंद्र लगातार तापमान, वर्षा, हवा की गति, नमी और अन्य मौसम संबंधी आंकड़े रिकॉर्ड करते हैं ये सभी सूचनाएं ऑनलाइन मौसम विज्ञान केंद्रों तक पहुंचती हैं जहां उनका विश्लेषण किया जाता है।

सुपर कंप्यूटर करता है लाखों गणनाएं: मौसम विभाग के पास अत्याधुनिक सुपर कंप्यूटर उपलब्ध हैं जो सैटेलाइट, रडार, मौसम गुब्बारों और विभिन्न मौसम केंद्रों से प्राप्त करोड़ों आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं। ये कंप्यूटर जटिल गणितीय मॉडल के आधार पर यह अनुमान लगाते हैं कि अगले कुछ घंटों, दिनों या सप्ताह में मौसम किस प्रकार बदल सकता है यही मॉडल मौसम पूर्वानुमान की वैज्ञानिक आधारशिला हैं। सिर्फ कंप्यूटर मॉडल के आधार पर पूर्वानुमान जारी नहीं किया जाता। मौसम वैज्ञानिक विभिन्न मॉडलों की तुलना करते हैं स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन करते हैं और उसके बाद अंतिम पूर्वानुमान तैयार करते हैं। कई बार स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों के कारण मौसम अचानक बदल सकता है इसलिए विशेषज्ञों का अनुभव भी महत्वपूर्ण होता है। मौसम विभाग का कहना है कि अब आधुनिक तकनीक के कारण नाउकास्ट (0 से 3 घंटे) और शॉर्टरेंज (1 से 3 दिन) की चेतावनियां काफी सटीक हो गई हैं कई मामलों में इनकी सटीकता 99 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। इसी वजह से समय रहते भारी बारिश, बिजली गिरने, तेज आंधी या ओलावृष्टि की चेतावनी जारी कर प्रशासन को सतर्क किया जाता है, जिससे जनहानि और आर्थिक नुकसान को कम किया जा सके पूर्वानुमान तैयार होने के बाद मौसम विभाग इसे राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, कृषि विभाग, मीडिया संस्थानों और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी करता है मोबाइल ऐप, वेबसाइट, सोशल मीडिया, टीवी, रेडियो और समाचार माध्यमों के जरिए यह जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचती है।

एमपी पुलिस के राकेश कुशवाह ने शूटिंग प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक, डीजीपी ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी राकेश कुमार कुशवाह ने ओपन इंडिया प्री–स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता–2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर विभाग का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने प्रतियोगिता की 10 मीटर एयर पिस्टल (मास्टर वर्ग) स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया पुलिस मुख्यालय, विसबल शाखा में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विसबल के निज सहायक निरीक्षक (अ) राकेश कुमार कुशवाह (वरिष्ठ शीघ्रलेखक) की इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग में हर्ष का माहौल है पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कुशवाह के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 5 हजार रुपए के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया डीजीपी ने उनकी सफलता को अनुशासन, कठिन परिश्रम, समर्पण और निरंतर अभ्यास का परिणाम बताया उन्होंने कहा कि कुशवाह ने अपनी उपलब्धि से मध्यप्रदेश पुलिस के साथ पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है कुशवाह इससे पहले भी मध्यप्रदेश पुलिस राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर चुके हैं लगातार बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने यह साबित किया है कि कार्यालयीन जिम्मेदारियों के साथ–साथ खेल क्षेत्र में भी उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं उल्लेखनीय है कि स्टेनो एवं लिपिकीय वर्ग के किसी अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में इस तरह की उपलब्धि हासिल करना प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है।

चाय के बहाने पुलिस हिरासत से फरार हुआ मुख्य आरोपी, दो साथी दबोचे, तीसरे की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के लुकवासा चौकी क्षेत्र स्थित एनएच–46 पर रविवार को देवास पुलिस की हिरासत से एक मुख्य आरोपी फरार हो गया जबकि उसके दो साथियों को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोबारा पकड़ लिया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार सर्च अभियान चला रही है जानकारी के अनुसार देवास जिले के बरोठा थाना क्षेत्र में दर्ज एक विवाहिता की गुमशुदगी के मामले में पुलिस ने झांसी के मोठ क्षेत्र से महिला, उसके मासूम बच्चे, मुख्य आरोपी लल्ला जाटव और उसके दो साथियों को हिरासत में लिया था सभी को सरकारी वाहन से देवास लाया जा रहा था रास्ते में एनएच–46 स्थित जैन भोजनालय पर आरोपियों ने चाय पीने के लिए वाहन रुकवाया इसके बाद उन्होंने शौच के लिए जाने की बात कही मौका मिलते ही तीनों आरोपी खेतों की ओर भाग निकले पुलिस ने तुरंत पीछा किया और स्थानीय गौ सेवकों व अन्य लोगों की मदद से दो आरोपियों को पकड़ लिया लेकिन मुख्य आरोपी लल्ला जाटव फरार हो गया घटना की सूचना मिलते ही लुकवासा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची इसके बाद देवास पुलिस महिला, उसके बच्चे और दोनों पकड़े गए आरोपियों को लेकर रवाना हो गई फरार आरोपी की तलाश जारी है।

नरवर किले से 400 साल पुरानी तोप चोरी मामले में दो गिरफ्तार, पांचना बांध विवाद से जुड़ा एंगल जांच के दायरे में

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक नरवर किले से सिंधिया रियासत की लगभग 400 वर्ष पुरानी और करीब साढ़े तीन टन वजनी ऐतिहासिक तोप चोरी करने के मामले में पुलिस ने राजस्थान के करौली जिले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पूछताछ में आरोपियों ने चोरी के पीछे राजस्थान के पांचना बांध जल विवाद से जुड़ा कारण बताया है हालांकि पुलिस का कहना है कि इस दावे की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान सामने आया कि करौली जिले में स्थित पांचना बांध के पानी के बंटवारे को लेकर पिछले करीब दो दशकों से मीणा और गुर्जर समाज के बीच विवाद चल रहा है आरोपियों ने दावा किया कि विरोधी पक्ष पर दबदबा बनाने और भय का माहौल पैदा करने के उद्देश्य से नरवर किले से ऐतिहासिक तोप चोरी करने की योजना बनाई गई थी पुलिस इस कथित उद्देश्य और पूरे षड्यंत्र की गहन जांच कर रही है जांच में यह भी सामने आया कि चोरी के लिए महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन का उपयोग किया गया था जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है हालांकि चोरी गई ऐतिहासिक तोप अब तक बरामद नहीं हो सकी है। पुलिस विभिन्न स्थानों पर आरोपियों की निशानदेही पर तलाश अभियान चला रही है इससे पहले आरोपी टिम्मूराम मीणा का एक वीडियो भी सामने आया था जिसमें उसने तोप चोरी में शामिल होने की बात स्वीकार करने का दावा किया था वीडियो में उसने पांचना बांध विवाद का उल्लेख करते हुए घटना के पीछे की कथित वजह बताई थी पुलिस वीडियो की सत्यता और उसमें किए गए दावों का भी परीक्षण कर रही है गौरतलब है कि पुरातत्व विभाग के चौकीदार रमेश कोली ने 16 जुलाई को नरवर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी उन्होंने बताया था कि 15 जुलाई की शाम ड्यूटी समाप्त कर लौटने के बाद जब अगले दिन सुबह कचहरी महल पहुंचे तो वहां रखी 14 ऐतिहासिक तोपों में से एक तोप गायब मिली। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी नरवर किला अपनी ऐतिहासिक धरोहर और सिंधिया रियासतकालीन विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां रखी चार शताब्दी पुरानी तोपों को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर माना जाता है ऐसे में इस चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं ।

गाय को बचाने के प्रयास में पलटी श्रद्धालुओं से भरी कार, 4 घायल; दो की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग–46 पर रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। निहाल देवी मंदिर दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी कार अचानक सड़क पर आई गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई हादसे में कार में सवार 11 श्रद्धालुओं में से चार लोग घायल हो गए जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है यह दुर्घटना चाइल्ड जोन स्कूल के पास हुई प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के अनुसार, कार जैसे ही हाईवे से गुजर रही थी, तभी अचानक एक गाय सड़क पर आ गई उसे बचाने के लिए चालक ने वाहन मोड़ा, जिससे कार का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर कोलारस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल संदीप पुत्र मुन्ना कुशवाह (18) औरबृजेश पुत्र उमेश कुशवाह (18), दोनों निवासी कोलारस, को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया पुलिस ने घटना की जानकारी लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोहासा बनेगा मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी हब, अगस्त में CM करेंगे ग्रू सोलर प्लांट का उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले का मोहासा औद्योगिक क्षेत्र जल्द ही प्रदेश के सबसे बड़े ग्रीन एनर्जी हब के रूप में पहचान बनाने जा रहा है। यहां सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े छह बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट तेजी से आकार ले रहे हैं इनमें ग्रू सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड का अत्याधुनिक सोलर सेल प्लांट पूरी तरह तैयार हो चुका है और उत्पादन शुरू करने की अंतिम तैयारियां चल रही हैं प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अगस्त के पहले सप्ताह में मोहासा पहुंचकर इस प्लांट का उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सांई कृष्णा एस. थोटा तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने एसडीएम और एमपीआईडीसी अधिकारियों के साथ मोहासा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया अधिकारियों ने ग्रू सोलर प्लांट, कार्यक्रम स्थल तथा अस्थायी हेलीपेड के लिए प्रस्तावित स्थान का भी जायजा लिया शनिवार को ट्रैफिक डीएसपी संतोष मिश्रा, आरआई सुनीता पटेल, माखननगर थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर एवं सोहागपुर थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एमपीआईडीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप अस्थाना के अनुसार मोहासा में ग्रीन एनर्जी आधारित उद्योगों का विकास तेजी से हो रहा है ग्रू सोलर एनर्जी की सेल यूनिट निर्माण कार्य पूरा कर चुकी है, जबकि कंपनी की दूसरी यूनिट का निर्माण जल्द शुरू होगा। कंपनी अब तक 200 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती कर चुकी है जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में ग्रू सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, इंसुलेशन एनर्जी, रेंज ग्रीन एनर्जी, लैंडस्मिल ग्रीन एनर्जी, एनआईए लैंड स्मिल इंडस्ट्रीज, लैंड स्मिल रिन्यूएबल एनर्जी तथा कैंपा कोला (ग्रेनटेक) सहित छह प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं पर कार्य जारी है कैंपा कोला प्लांट के समीप हेलीपेड निर्माण की तैयारी भी की जा रही है।

भोपाल में Run For Life' मैराथन में उमड़ा जनसैलाब, 6 हजार नागरिकों ने लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। प्रदेश में चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0 ' अभियान को जनसमर्थन मिल रहा है इसी अभियान के तहत रविवार को भोपाल पुलिस कमिश्नरेट द्वारा 'Run For Life – नशे से दूरी है जरूरी 2.0 ' मैराथन का आयोजन किया गया टी.टी. नगर स्टेडियम से शुरू हुई इस जनजागरूकता दौड़ में लगभग 6 हजार नागरिकों ने भाग लेकर नशामुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित समाज बनाने का संकल्प लिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था मैराथन में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों, नगर रक्षा समिति के सदस्यों, पुलिस अधिकारियों–कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से संदेश दिया कि नशामुक्त समाज का निर्माण सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी से ही संभव है कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) डी. निवास वर्मा, पुलिस आयुक्त भोपाल संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला, शैलेन्द्र सिंह चौहान सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे मैराथन में 2 किलोमीटर वॉकथॉन, 5 किलोमीटर रन और 10 किलोमीटर मैराथन श्रेणियां आयोजित की गईं। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और समाज को नशे से मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया समापन अवसर पर विजेताओं को मेडल और प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया पुलिस विभाग ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ चल रहे जनजागरूकता अभियान में भागीदारी कर स्वस्थ और सुरक्षित मध्यप्रदेश के निर्माण में सहयोग करें।

यारनगर विवाद के बाद वन विभाग का डैमेज कंट्रोल, इको सेंसिटिव जोन में सख्ती की तैयारी

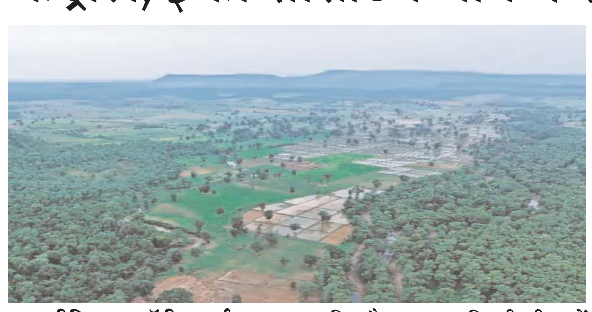

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। बुधनी के यारनगर क्षेत्र में वन भूमि पर कथित अवैध रिसॉर्ट निर्माण और सीमांकन विवाद के बाद वन विभाग ने डैमेज कंट्रोल की कवायद तेज कर दी है वन एवं राजस्व भूमि की सीमाओं को लेकर उठे सवालों, विभागीय अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोपों और राजनीतिक विवाद के बीच अब विभाग इको सेंसिटिव जोन में सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रहा है अधिकारियों का दावा है कि वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा विवाद के केंद्र में यारनगर का वह क्षेत्र है, जहां वन भूमि और राजस्व भूमि की सीमाओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठ रहे हैं क्षेत्र के प्रभावशाली रिसॉर्ट संचालकों पर वन भूमि का उपयोग करने और प्रशासनिक स्तर पर संरक्षण मिलने के आरोप भी लगाए गए हैं। मामला तब और चर्चा में आया जब क्षेत्रीय विधायक रमाकांत भार्गव ने कलेक्टर, सीहोर को पत्र लिखकर वन एवं राजस्व भूमि का स्पष्ट सीमांकन कराने की मांग की विधायक के पत्र के आधार पर तत्कालीन उप वन मंडलाधिकारी (एसडीओ) सुकृति ओसवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वन मंडलाधिकारी, सीहोर को पत्र भेजा और सीमांकन प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन मांगा था इसके बाद सीमांकन की कार्रवाई शुरू होने की संभावना बनी, लेकिन इसी बीच विभाग ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सुकृति ओसवाल का स्थानांतरण कर दिया। उनकी जगह आर.के. चौधरी को बुधनी का नया एसडीओ नियुक्त किया गया है इस बदलाव के बाद विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं स्थानीय स्तर पर इसे सीमांकन विवाद और रिसॉर्ट प्रकरण से जोड़कर देखा जा रहा है हालांकि वन विभाग ने इन अटकलों को महत्व नहीं देते हुए कहा है कि विभाग का उद्देश्य केवल नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना है और वन भूमि की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यारनगर क्षेत्र इको सेंसिटिव जोन के दायरे में आता है, इसलिए यहां पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा भविष्य में वन भूमि पर अवैध निर्माण, अतिक्रमण अथवा अन्य गैरकानूनी गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर छत्तीसगढ़ में सियासत तेज, गजेंद्र यादव ने वापसी की मांग की, भूपेश बोले- छात्रों की जीत

मीडिया ऑडीटर,रायपुर (निप्र)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद छत्तीसगढ़ की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आए इस घटनाक्रम पर सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं जहां प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने धर्मेंद्र प्रधान से देशहित में इस्तीफा वापस लेने की अपील की है वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे छात्रों और युवाओं की जीत बताया दूसरी ओर, विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भी कहा कि आंदोलन को शांत करने के लिए यह फैसला आवश्यक था धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विभिन्न छात्र और युवा संगठन लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे थे इसी बीच उनके इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि यह देशभर के छात्रों और युवाओं की जीत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय होना जरूरी है। अपने एक अन्य पोस्ट में उन्होंने केंद्र सरकार की तुलना पौराणिक पात्र हिरण्यकश्यप से करते हुए युवाओं को 'जनरेशन–ज़ेड का नरसिंह अवतार' बताया। बघेल ने दावा किया कि यह केवल एक मंत्री का इस्तीफा नहीं, बल्कि छात्रों के संघर्ष की सफलता है छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि लंबे समय से चल रहे आंदोलन और बढ़ते विवाद को देखते हुए यह निर्णय आवश्यक था उनके अनुसार इस फैसले से माहौल शांत करने में मदद मिलेगी।

गजेंद्र यादव ने की इस्तीफा वापस लेने की अपील: प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने धर्मेंद्र प्रधान के पक्ष में बयान देते हुए कहा कि किसी बड़े मंत्रालय में हजारों अधिकारी और कर्मचारी कार्य करते हैं यदि कहीं कोई प्रशासनिक या व्यवस्थागत चूक होती है तो उसके लिए सीधे मंत्री को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं माना जा सकता उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं और देशहित में उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेना चाहिए।

बिलासपुर में छात्रों ने

नदी में पानी भरने उतरा ट्रैक्टर गहरे गड्ढे में डूबा, किसान ने कूदकर बचाई जान; जेसीबी से निकाला गया वाहन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के इंदार थाना क्षेत्र के बिजरौनी गांव के पास रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया खेत में दवा छिड़काव के लिए नदी से पानी भरने गया किसान का ट्रैक्टर अचानक गहरे गड्ढे में फंसकर पानी में डूब गया। किसान ने समय रहते ट्रैक्टर से कूदकर अपनी जान बचा ली, लेकिन वाहन को काफी नुकसान पहुंचा जानकारी के अनुसार बिजरौनी गांव निवासी सुल्ला राठौर अपने खेत में घास नष्ट करने वाली दवा का छिड़काव कर रहे थे बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण उनका बोरवेल नहीं चल पा रहा था। दवा के लिए पानी की जरूरत पड़ने पर वे ट्रैक्टर में ड्रम बांधकर नदी से पानी भरने पहुंचे थे बताया गया कि जैसे ही किसान ने ट्रैक्टर को नदी के पानी में उतारा, वह अचानक पानी के अंदर मौजूद गहरे गड्ढे में फंस गया कुछ ही देर में ट्रैक्टर पानी में डूबने लगा खतरा भांपते हुए किसान सुल्ला राठौर ने तुरंत ट्रैक्टर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए ग्रामीणों ने पहले दूसरे ट्रैक्टर की मदद से डूबे वाहन को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली इसके बाद जेसीबी मशीन बुलाई गई काफी मशक्कत के बाद जेसीबी और अन्य ट्रैक्टर की सहायता से पानी में डूबे ट्रैक्टर को बाहर निकाला गया।

8 फीट ऊंची बाउंड्री के बीच फैक्ट्री:एमडी ड्रग्स बनाने वाला 24 किलोग्राम केमिकल जब्त

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। ग्राम पावटी में खेत से लगे बाड़े में ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री मिली। सीमेंट के लगभग 8-8 फीट ऊंचे पिलरों की बाउंड्री के बीच कमरे से 173 ग्राम एमडी जब्त की गई, वहीं 3 अलग-अलग तरह का 24 किलो 570 ग्राम केमिकल भी मिला। मौके से टीम ने रणजीत-ईश्वर नामक 2 लोगों को पकड़ा। जब्ती स्थल से 2 कार व 4 एंड्रॉइड मोबाइल भी मिले। मामले में पुलिस को फरार 4 आरोपियों की तलाश है। गरोठ पुलिस के मुताबिक एनडीपीएस एक्ट में कुल 6 लोगों पर प्रकरण दर्ज हुआ है, आरोपियों की संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है। एसपी विनोदकुमार मीना ने बताया मुखबिर की सूचना पर टीम ने ग्राम पावटी स्थित खेत में घेराबंदी कर दबिश दी। भीतर से आरोपी रणजीतसिंह (30) पिता पर्वतसिंह सौंधिया निवासी पावटी व

ईश्वरसिंह (37) पिता सौदानसिंह सौंधिया निवासी ढाकनी को गिरफ्तार किया गया। इन्होंने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि तस्करी के नेटवर्क में 4 अन्य साथी राजगढ़ के गोघटपुर निवासी दीपक गुर्जर, बरखेड़ी मिट्ठू निवासी विक्रम उर्फ गुड्डूसिंह पिता बापूसिंह, बर्डिया अमरा निवासी राजेंद्रसिंह पिता किशनसिंह सौंधिया व सीतामऊ के सूरजनी के राजू लाला भी शामिल हैं। पुलिस ने 2 गिरफ्तार व 4 फरार आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक कार्रवाई वाला स्थल रणजीतसिंह का खेत था। थाना प्रभारी गरोठ बलवीरसिंह यादव का कहना है जब्त 4 एंड्रॉइड मोबाइल से कॉल डिटेल और एप एक्टिविटी की भी जांच की जा रही है, साइबर टीम इसमें जुटी है।

● ड्रग्स व केमिकल को लाने-ले जाने के लिए फैक्ट्री के बाहर खड़े थे 2 वाहन

173 ग्राम एमडी के अलावा ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाला 12 किलो 750 ग्राम केमिकल हाइड्रोक्लोरिक एसिड, 6 किलो 460 ग्राम एमएमए केमिकल और 5 किलो 360 ग्राम एमडीसी केमिकल मिला है। इस तरह कुल 24 किलो से ज्यादा केमिकल जब्त किया गया। आरोपियों ने ड्रग्स व केमिकल को लाने-ले जाने के लिए फैक्ट्री के बाहर 2 वाहन भी खड़े कर रखे थे, इनमें 2 कार को भी जब्ती में लिया है।

● 17 माह में 7वीं फैक्ट्री पकड़ाई

जिले में पिछले 17 माह के दौरान एमडी ड्रग्स से जुड़ी यह 7वीं बड़ी कार्रवाई है, जहां खेतों के बीच फैक्ट्री संचालित मिली। दरअसल गरोठ राजस्थान बॉर्डर से नजदीक है और 8 लेन, 4 लेन से भी जुड़ा है, ऐसे में इस एरिया में ड्रग्स से जुड़े मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

सीहोर में मानसून कमजोर, आष्टा में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज 30 जुलाई से भारी बरसात के आसार, बिजली गिरने का भी अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून की गतिविधियां लगातार बनी हुई हैं। रविवार दोपहर करीब दो बजे के बाद जिले के कई हिस्सों में बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से आज तक जिले में औसतन 17.77 इंच वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि में दर्ज 20.96 इंच औसत वर्षा से कम है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 45.21 इंच मानी जाती है।

आष्टा में सबसे ज्यादा, श्यामपुर में सबसे कम बारिश: जिले के वर्षामापी केंद्रों के अनुसार 1 जून से 26 जुलाई तक आष्टा में सबसे अधिक 21.06 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इसके बाद रेहटी में 19.54 इंच, जावर में 19.06 इंच, भैरूंदा में 18.46 इंच, इछावर में 18.11 इंच, बुधनी में 17.99 इंच, सीहोर में 15.79 इंच तथा श्यामपुर में सबसे कम 12.18 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में रेहटी में 29.04 इंच, बुधनी में 30.72 इंच, भैरूंदा में 21.77 इंच, इछावर और सीहोर में 19.15-19.15 इंच तथा श्यामपुर में 20.34 इंच वर्षा दर्ज की गई थी।

26 जुलाई को औसतन 1.6 मिमी बारिश: भू-अभिलेख विभाग के अनुसार 26 जुलाई को जिले में औसतन 0.06 इंच (1.6 मिमी) वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान इछावर में 0.39 इंच और सीहोर में 0.12 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई।

अगले 3-4 दिन बारिश के आसार: मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और मध्य भारत के ऊपर सक्रिय मानसूनी सिस्टम के प्रभाव से सीहोर एवं आसपास के जिलों में अगले 3 से 4 दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। 27 से 29 जुलाई के बीच जिले के कई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं 30 जुलाई से मानसून की एक नई ट्रफ लाइन सक्रिय होने के कारण बारिश की गतिविधियों में और तेजी आने के आसार हैं। मौसम विभाग ने किसानों और आम नागरिकों को आकाशीय बिजली के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने और अनावश्यक रूप से खुले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है।

नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार कराने वाले को पकड़ा: पंटर भेज इशारा मिलते ही पुलिस ने मारी रेड, दो बालिकाओं को रेस्क्यू कर वन स्टॉप सेंटर भेजा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के ढोढर के पास फोरलेन किनारे बांछड़ा बस्तियों में नाबालिग युवतियों से देह व्यापारी करवा रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नाबालिग से देह व्यापारी की सूचना मिलने पर पुलिस ने बांछड़ा बस्ती में पहले पंटर भेजा। सूचना कन्फर्म होने पर पुलिस टीम ने दबिश देकर युवक को पकड़ा। दो नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू कर वन स्टॉप सेंटर भेजा। जिले की रिंगनोद थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। थाना प्रभारी आनंद सिंह आजाद ने बताया कि मुखबिर सूचना पर पंटर भेजने पर नाबालिग से तो देह व्यापार कराने की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने पंटर के इशारा करते ही आरोपी हंसू (19)पिता गोपाल चौहान निवासी बांछड़ा डेरा ढोढर के घर पर दबिश दी।

घर में मिली दो बालिकाएं: घर के अंदर से 12 व 14 साल की दो लड़कियां मिली। दोनों को रेस्क्यू कर आरोपी युवक हंसू चौहान को गिरफ्तार किया। युवक के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम की धारा 3, 4, 5, 6 में पॉक्सो एक्ट की धारा और बीएनएस की धारा 143 (4) के तहत केस दर्ज किया।

टीम में यह रहे शामिल: कार्रवाई में थाना प्रभारी के साथ ढोढर चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी, एएसआई अशोक चौहान, हेड कॉनस्टेबल सुधीर सिंह, नरेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल नरेंद्र सिंह हाड़ा, शोभाराम शर्मा, रवींद्र सिंह, निशा दडिंग आदि शामिल रहे।

सागर से अगवा 16 वर्षीय नाबालिग यूपी से बरामद: गौतम बुद्धनगर से आरोपी गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले की विनायका थाना पुलिस ने 16 वर्षीय नाबालिग के अपहरण मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए उसे उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्धनगर से सुरक्षित बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी लटकन पिता शेरन लोधी (19) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। नाबालिग के बयान दर्ज करने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

8 अप्रैल को दर्ज हुआ था अपहरण का मामला: पुलिस के अनुसार, 8 अप्रैल 2026 को विनायका थाने में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी 16 वर्षीय बेटी को अज्ञात युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से मिली लोकेशन: मामले की जांच के दौरान पुलिस ने परिजनों और संदेहियों से पूछताछ की। साथ ही साइबर सेल और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। कई संभावित ठिकानों पर दबिश देने के बावजूद नाबालिग का सुराग नहीं मिला। तकनीकी जांच के दौरान नाबालिग की लोकेशन उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्धनगर में मिली। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल वहां पहुंची और लोकेशन के आधार पर कार्रवाई करते हुए नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर लिया।

प्राइवेट कंपनी में काम कर रहा था आरोपी: जांच के दौरान पुलिस ने पीएचक्यू कंपनी परिसर, गौतम बुद्धनगर से आरोपी लटकन पिता शेरन लोधी (19) को गिरफ्तार किया। आरोपी एक निजी कंपनी में काम कर रहा था।शनिवार को पुलिस टीम आरोपी और नाबालिग को सागर लेकर पहुंची। नाबालिग के बयान दर्ज किए गए, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराएं भी बढ़ाई गई।

श्मशान घाट पर जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा

8 जुआरी को किया गिरफ्तार, 5.25 लाख का सामान जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के हरपालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केथोकर में पुलिस ने जुए के एक बड़े अड्डे पर छापा मारकर 8 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नकदी, 7 मोटरसाइकिल, 9 मोबाइल फोन और ताश की गड्डियों सहित कुल 5 लाख 25 हजार 800 रुपये मूल्य का सामान जब्त किया। सभी आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दी दबिश: हरपालपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम केथोकर के श्मशान घाट के पास लंबे समय से जुए का फड़ संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजेश सिकरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर छापा मारा। पुलिस को देखकर

कुछ लोग भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीम ने 8 आरोपियों को मौके से पकड़ लिया।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार: पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया उनमें दिलीप राजपूत, रघुनंदन राजपूत और मंगल राजपूत निवासी केथोकर, नरेश यादव और राजेंद्र अहिरवार निवासी चुरवारी, पुष्पेंद्र जोशी और अजय चौबे निवासी अरजड़िया कॉलोनी हरपालपुर तथा जहीर सिंह पटेल निवासी नारायण गंज मोहल्ला, हरपालपुर शामिल हैं।

नकदी, बाइक और मोबाइल किए जब्त: कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ताश की 5 गड्डियां, नगद राशि, 7 मोटरसाइकिलें और 9 मोबाइल फोन जब्त किए। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 5 लाख 25 हजार 800 रुपये आंकी गई है।

जुआ अधिनियम के तहत दर्ज हुआ मामला:= हरपालपुर थाना पुलिस ने सभी 8 आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह भी पता लगा रही है कि जुए का यह अड्डा कब से संचालित हो रहा था और इसमें अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका: इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक राजेश अहिरवार के साथ आरक्षक रामकिशोर यादव, ब्रजभान, कमलेश और मनोज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दो माह से फरार अवैध हथियार निर्माता पुलिस गिरफ्त में, खरगोन में बदल रहा था ठिकाने, 3 राज्यों में 9 केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले की भीकनगांव पुलिस ने अवैध हथियारों के नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए दो माह से फरार चल रहे हथियार निर्माता मोहनसिंह पिता अनोकसिंह टकराना सिकलीगर को शनिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर अपने ठिकाने बदल रहा था, जिसे मुखबिर की सटीक सूचना पर ग्राम गढ़ी से पकड़ा गया। दरअसल, 23 मई को बमनाला क्षेत्र में पुलिस ने आमिनूल इस्लाम को चार देशी पिस्टल और एक देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ और विवेचना में सामने आया कि ये सभी अवैध हथियार सिगनूर निवासी मोहनसिंह सिकलीगर ने तैयार कर सप्लाई किए थे। इस खुलासे के बाद मोहनसिंह को मामले में आरोपी बनाया गया था।

295 अल्प्राजोलम टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

खंडवा में ग्राहक तलाशते दबोचा, नशे से दूरी अभियान के तहत चल रही थी सर्चिंग

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत रामेश्वर चौकी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 295 अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 700 रूपए बताई गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया हैं।

पुलिस के अनुसार, जिले में गंभीर अपराधों, महिला संबंधी अपराधों, संपत्ति संबंधी मामलों, वारंट-समंस की तामीली और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रामेश्वर चौकी, थाना मोघट रोड पुलिस ने यह कार्रवाई की।

मुखबिर की सूचना पर रेलवे ब्रिज के पास दी दबिश: पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामेश्वर टेकड़ा निवासी सलमान खान (35), पिता रफीक खान बड़गांवभिला रोड स्थित रेलवे ब्रिज के पास खड़ा होकर अवैध रूप से अल्प्राजोलम टैबलेट बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 295 अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी इन दवाइयों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने टैबलेट जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई: पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

मोहासा बनेगा एमपी का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी हब

6 कंपनियां प्रोजेक्ट पर कर रहीं काम, ग्रू सोलर प्लांट का अगस्त में सीएम करेंगे उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र मोहासा में ग्रीन एनर्जी के लिए छह बड़ी कंपनियों के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इनमें ग्रू सोलर एनर्जी का प्लांट बनकर तैयार हो गया है और अब उत्पादन शुरू करने की तैयारी है। ग्रू सोलर एनर्जी प्लांट का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उद्घाटन करेंगे।

उनका अगस्त के पहले सप्ताह में मोहासा आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। शुक्रवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा और एसपी साई कृष्णा एस. थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने एसडीएम और एमपीआईडीसी के अधिकारियों के साथ मोहासा औद्योगिक क्षेत्र और ग्रू सोलर एनर्जी प्लांट का निरीक्षण किया।

उन्होंने कार्यक्रम स्थल और अस्थायी हेलीपेड का भी जायजा लिया। शनिवार को ट्रैफिक डीएसपी संतोष मिश्रा, आरआई सुनीता पटेल, माखननगर थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर और सोहागपुर थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

दूसरी यूनिट का शुरू होना बाकी: एमपीआईडीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संदीप अस्थाना ने बताया कि मोहासा में सोलर एनर्जी से जुड़ी कंपनियों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। ग्रू सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की सेल यूनिट तैयार हो चुकी है, जबकि दूसरी यूनिट का काम शुरू होना बाकी है। कंपनी ने 200 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती भी की है।

50 लाख की एमडी-अफीम तस्करी, जमील शाह गिरफ्तार

पानी की मोटर में छिपाई थी ड्रग्स, पूछताछ से नेटवर्क का खुलासा,अब तक 8 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर की शहर कोतवाली पुलिस ने 50 लाख से अधिक कीमत की एमडी ड्रग्स और अफीम बरामदगी मामले में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने शनिवार (25 जुलाई 2026) को फरार चल रहे आरोपी जमील पिता जाकिर शाह (32) निवासी धारियाखेड़ी, हाल निवासी लालबाग (रामपुरा, जिला नीमच) को गिरफ्तार कर लिया।

इस गिरफ्तारी के साथ ही इस हाई-प्रोफाइल एनडीपीएस केस में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 8 हो गई है। पुलिस का कहना है कि तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई अन्य संदिग्धों की पहचान भी कर ली गई है और उनकी तलाश लगातार जारी है।

रेलवे स्टेशन के पास हुई थी बड़ी कार्रवाई: यह पूरा मामला 7 मई 2026 का है, जब मुखबिर की सूचना पर शहर कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास कार्रवाई करते हुए दावतखेड़ी निवासी इमरान उर्फ बंटी पठान को गिरफ्तार किया

था तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स और 500 ग्राम अफीम बरामद की गई थी। बरामद मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत ?50 लाख से अधिक आंकी गई थी।

पानी की मोटर में छिपाई थी ड्रग्स और अफीम: जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के पास रखी पानी की विद्युत मोटर पर संदेह हुआ। जब मोटर को खोलकर देखा गया तो उसके अंदर बेहद शातिर तरीके से एमडी ड्रग्स और अफीम छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने मौके से स्कूटी, मोबाइल फोन और विद्युत मोटर भी जब्त की थी। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18, 22 और 29 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

रिमांड में खुला तस्करी नेटवर्क का राज

मुख्य आरोपी इमरान उर्फ बंटी पठान से सात दिन की पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ में मादक पदार्थ तस्करी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। आरोपी ने अपने कई साथियों के नाम बताए, जिसके आधार पर पुलिस ने क्रमशः महावीर चौहान, सादिक गढ़वी, सलमान, शाकिर उर्फ चेला, असलम हुसैन और परमानंद उर्फ बाबू सिंधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अब इसी कड़ी में फरार चल रहे जमील शाह को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

पहले भी NDPS केस में आरोपी रह चुका है जमील

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी जमील शाह का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। वह पूर्व में इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक अन्य मामले में भी आरोपी रह चुका है। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य राज्यों से जुड़े संभावित नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस का कहना है कि पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर ड्रग्स तस्करी से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान की जा चुकी है। उनकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों को लगाया गया है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि एमडी ड्रग्स और अफीम की सप्लाई किन जिलों और राज्यों तक की जा रही थी।

यशस्वी-राहुल ओपनर, बुमराह-जडेजा IN

नीतिश-सुंदर हुआ; श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों के लिए संभावित भारतीय टीम

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 15 अगस्त से होगी। इस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान अगले कुछ दिनों में किया जाने वाला है। हालांकि इस टेस्ट सीरीज से पहले भारत को अफगानिस्तान से जीत मिली थी, लेकिन ये मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा नहीं था। अब श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारत के लिए काफी अहम है।

नीतिश-सुंदर रह सकते हैं बाहर

श्रीलंका के खिलाफ होने वाले इस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा की वापसी हो सकती है जो अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेले थे। वहीं गुरनूर बरार और हर्ष दुबे को टीम से बाहर होना पड़ सकता है जो अफगानिस्तान के खिलाफ हुए टेस्ट में भारतीय टीम का हिस्सा थे। इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए वाशिंगटन सुंदर का श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलना संदिग्ध लग रहा है वहीं नीतिश रेड्डी भी चोट की समस्या से जूझ रहे हैं।

ऋतुराज-सरफराज को मिल सकता है मौका

अगर नीतीश रेड्डी फिट नहीं होते हैं तो भारत शायद एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज को चुनेगा जिससे ऋतुराज गायकवाड़ या सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों के लिए जगह बन सकती है। वहीं सुंदर के न होने से हर्ष दुबे की जगह बनी रह सकती है। हालांकि इसका मतलब यह होगा कि टीम में जडेजा और मानव सुथार के साथ तीन बाएं हाथ के स्पिनर हो जाएंगे। अगर भारत को ऑफ-स्पिनर चाहिए तो 33 साल के सारांश जैन एक संभावित विकल्प हो सकते हैं। उन्हें श्रीलंका ए के खिलाफ हाल ही में हुई फर्स्ट-क्लास सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया था।

यशस्वी-राहुल ओपनर साई होंगे नंबर 3

नंबर तीन पर मिले-जुले प्रदर्शन के बावजूद साई सुदर्शन अपनी जगह बनाए रखेंगे जबकि देवदत्त पडिक्कल रिजर्व बल्लेबाज बने रहेंगे। यूनाइटेड किंगडम और जिम्बाब्वे में हुई व्हाइट-बॉल सीरीज से बाहर रहने के बाद मोहम्मद सिराज की वापसी हो सकती है। प्रसिद्ध कृष्णा भी टीम का हिस्सा बने रह सकते हैं और बुमराह के साथ मिलकर तीन-सदस्यीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा बन सकते हैं। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल तय ओपनिंग जोड़ी हैं और किसी रिजर्व ओपनर को चुने जाने की संभावना नहीं है क्योंकि जरूरत पड़ने पर सुदर्शन और पडिक्कल दोनों ही ओपनिंग कर सकते हैं। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल टीम के विकेटकीपर होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए संभावित भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडीक्कल, ऋतुराज गायकवाड़/सरफराज खान, रविंद्र जडेजा, हर्ष दुबे/सारांश जैन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, ध्रुव जुरेल।

इशान किशन का हरारे में हल्ला बोल

शतक से चूके पर एक साथ तोड़ा अभिषेक, यशस्वी, राहुल, पंत का यह रिकॉर्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। इशान किशन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में हरारे में विरोधी टीम पर हल्ला बोल दिया और शानदार पारी खेली, लेकिन वो शतक लगाने से चूक गए। इशान की पारी में टीम को मजबूत स्थिति में लाने का काम किया। इस मैच में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और पहले दो विकेट सिर्फ 29 रन पर ही गिर गए थे, लेकिन तीसरे नंबर पर बैटिंग करने आए इशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने बेहतरीन पारी खेली।

इशान ने खेली 81 रन की पारी

इशान ने इस मैच में अपना अर्धशतक 31 गेंदों पर पूरा किया था और इसके बाद उन्होंने 44 गेंदों पर 2 छक्के और 9 चौकों की मदद से 81 रन की शानदार पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट 184.09 का रहा। ये साल 2026 में टी20 प्रारूप में उनका 13वां अर्धशतक रहा और उन्होंने अब अभिषेक शर्मा, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। इशान अब टी20 क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा 50 प्लस पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में सूर्यकुमार यादव के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए जिन्होंने साल 2023 में 13 बार 50 प्लस पारी खेली थी जबकि इन चारों ने ये कमाल एक साल में 12-12 बार किया था।

टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज

- 18: विराट कोहली (2016)
- 11: सूर्यकुमार यादव (2022)
- 09: विराट कोहली (2022)
- 07: ईशान किशन (2026)
- 07: सूर्यकुमार (2023)
- 07: विराट कोहली (2016)14: सूर्यकुमार (2022)
- 14: केएल राहुल (2019)
- 13: इशान किशन (2026)
- 13: सूर्यकुमार यादव (2023)
- 12: अभिषेक शर्मा (2025)
- 12: यशस्वी जयसवाल (2023)
- 12: केएल राहुल (2022)
- 12: ऋषभ पंत (2018)

इशान ने की सूर्यकुमार-कोहली की बराबरी

इशान किशन ने टी20आई क्रिकेट में साल 2026 में 7वीं बार 50 प्लस की पारी खेली और वो अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस की पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में सूर्यकुमार पहले नंबर पर भी हैं जिन्होंने साल 2022 में ऐसा 11 बार किया था।

एक वर्ष में भारत के लिए ञ्ज20इ में सबसे ज्यादा बार 50प्लस स्कोर

- 11: सूर्यकुमार यादव (2022)
- 09: विराट कोहली (2022)
- 07: ईशान किशन (2026)
- 07: सूर्यकुमार (2023)
- 07: विराट कोहली (2016)

भारत तीसरे दिन रहा खाली हाथ

5 गोल्ड निशाने पर

नई दिल्ली। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों के तीसरे दिन कुछ खास नहीं रहा। उसे शनिवार (25 जुलाई) को एक भी पदक नहीं मिला। मुक्केबाज सचिन सिवाच ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर पुरुष 60 किग्रा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि लॉन बॉल्स महिला पेयर्स में रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह ने लगातार तीसरी जीत हासिल कर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया।

झंडू कुमार ने शुक्रवार (24 जुलाई) को पुरुषों की हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पदकों का खाता खोला था। भारत के प्रबल पदक दावेदारों में शामिल मुक्केबाज सचिन ने कनाडा के अपने परिचित प्रतिद्वंद्वी केओमा अल-अहमदीह पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की। भिवानी के 26 वर्षीय मुक्केबाज का सामना अब अंतिम-16 में इंग्लैंड के विलियम हेविट से होगा। पांचवें दिन रविवार (26 जुलाई) को भारत की निगाहें 5 स्वर्ण पदक पर होंगी। यहां पूरा शेड्यूल भारतीय समयानुसार दिया गया है।

- **दोपहर 1 बजे:** बाउल्स - भारत (रूपा रानी टिर्की, पिंकी सिंह) बनाम नामीबिया, विमेंस पेयर्स सेक्शनल प्ले।
- **दोपहर 2 बजे:** वेटलिफ्टिंग - ऋषिकांत सिंह, मेन्स 60किलोग्राम फाइनल (मेडल इवेंट)
- **शाम 4:30 बजे:** आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स - योगेश्वर सिंह, तपन मोहंती, मेन्स ऑल-अराउंड फाइनल (मेडल इवेंट)
- **शाम 4:39 बजे:** स्विमिंग - श्रीहरि नटराज, आर्यन नेहरा, अनीश गौड़ा और दक्षण शशिकुमार, मेन्स 4×200द्व फ्रीस्टाइल रिले हीट्स
- **शाम 5:30 बजे:** वेटलिफ्टिंग - मीराबाई चानू, विमेंस 49 किलोग्राम फाइनल (मेडल इवेंट)
- **शाम 7:15 बजे:** बाउल्स - पुतुल सोनोवाल बनाम माल्टा के शॉन जेम्स पारनिस, मेन्स सिंगल्स सेक्शनल प्ले
- **रात 10:30 बजे:** आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स - विमेंस ऑल-अराउंड फाइनल (मेडल इवेंट)
- **रात 10:45 बजे:** बॉक्सिंग - प्रीति पवार बनाम मलावी की डेबोरा मटेंजे, महिलाओं के 54 किलोग्राम राउंड ऑफ 16 में।
- **रात 11 बजे:** वेटलिफ्टिंग - एम राजा, पुरुषों के 65 किलोग्राम फाइनल (मेडल इवेंट)
- **रात 11:45 बजे:** बॉक्सिंग - जदुमणि सिंह बनाम पाकिस्तान की सुमामा रहमान, पुरुषों के किलोग्राम राउंड ऑफ 16।
- **रात 12:45 बजे:** बॉक्सिंग - आदित्य प्रताप यादव बनाम युगांडा की नुहू बट्टे, पुरुषों के 65 किलोग्राम राउंड ऑफ 16।
- **रात 1:56 बजे:** स्विमिंग - श्रीहरि नटराज, आर्यन नेहरा, अनीश गौड़ा और दक्षण शशिकुमार, पुरुषों के 4×200द्व फ्रीस्टाइल रिले फाइनल में (मेडल इवेंट, हीट्स से क्वालिफाई करने पर)

अनाहत सिंह बनीं विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय

मिस्र का 16 साल का दबदबा खत्म

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शनिवार (25 जुलाई) को मिस्र की रुकैया सलेम को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। अनाहत ने खिताब जीतकर टूर्नामेंट में मिस्र के दबदबे को भी खत्म किया। 16 साल बाद कोई खिलाड़ी विजेता बनी है, जो मिस्त्र की नहीं हैं। इससे पहले 2010 में अमेरिका की अमांडा शोबी ने खिताब जीता था।

विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज और टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत ने महिला फाइनल में रुकैया को सीधे गेमों में 11-3, 11-7, 11-9 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। अनाहत ने पिछले साल भी इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया था और सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए विश्व जूनियर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अनाहत की शानदार प्रदर्शन

दिल्ली की इस खिलाड़ी ने फाइनल में जबरदस्त शुरुआत की। पहला गेम 11-3 से जीता। दूसरे गेम में अनाहत ने 11-7 से जीत हासिल की। हालांकि, तीसरे गेम में मिस्र की खिलाड़ी रुकैया सलेम ने अच्छी वापसी। अनाहत एक समय 6-8 से पीछे थीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दबाव को झेला और जरूरी पॉइंट लेकर गेम 11-9 से जीत लिया और पांचवीं बार में जूनियर टाइटल अपने नाम कर लिया।

वैभव ने बाबर आजम को छोड़ा पीछे

इशान नंबर 1; 2026 में टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाज

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के स्टार बैटर वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 20 रन की तेज पारी 9 गेंदों पर खेली। इस 20 रन के दम पर वैभव ने बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया और वो साल 2026 में टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में इस पाकिस्तानी बैटर से आगे निकल गए। हालांकि वैभव अब भी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं जबकि इशान किशन इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं।

बाबर से आगे निकले वैभव- वैभव ने 20 रन की पारी खेली और वो अब साल 2026 में टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 13वें नंबर पर आ गए जबकि बाबर आजम 14वें स्थान पर खिसक गए। वैभव ने साल 2026 में अब तक खेले 21 टी20 मैचों में कुल 888 रन एक शतक और 6 अर्धशतक की मदद से बनाए हैं जबकि बाबर ने इस साल अब तक 27 मैचों में 886 रन 2 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से बनाए हैं।

इस लिस्ट में पहले नंबर पर इशान किशन मौजूद हैं जिन्होंने अब तक खेले 37 मैचों में एक शतक और 12 अर्धशतक की मदद से कुल 1385 रन बनाए हैं। फिन एलन दूसरे नंबर पर 41 मैचों में 1277 रन के साथ मौजूद हैं जिन्होंने अब तक 3 शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं। इस लिस्ट में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा हैं जो 7वें स्थान पर हैं। अभिषेक शर्मा ने अब तक खेले 37 मैचों में एक शतक और 9 अर्धशतक की मदद से 1075 रन बनाए हैं।

इशान निकले कोहली से आगे, पाकिस्तानी बैटर नंबर 1

T20I में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 बैटर

नई दिल्ली,एजेंसी। इशान किशन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 44 गेंदों पर 81 रन की शानदार पारी खेली और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली से आगे आ गए। एक साल में टी20आई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 बल्लेबाजों की लिस्ट में पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान इतने मैच के साथ पहले नंबर पर हैं जबकि इसमें कुल 4 बैटर शीर्ष 10 में शामिल हैं।

इशान ने कोहली को छोड़ा पीछे- इशान किशन ने साल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक कुल 783 रन बनाए हैं और वो क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली से आगे यानी 8वें नंबर पर आ गए। कोहली ने साल 2022 में कुल 781 रन बनाए थे और वो 8वें स्थान पर आ गए। इस लिस्ट में पहले नंबर पर पाकिस्तानी बल्लेबाज मो. रिजवान हैं जिन्होंने साल 2021 में कुल 1326 रन बनाए थे। टी20आई में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं जिन्होंने साल 2022 में 1164 रन बनाए थे। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर भी रिजवान ही हैं जिन्होंने साल 2022 में ही 996 रन बनाए थे जबकि बाबर आजम साल 2021 में 939 रन बनाए थे और वो चौथे स्थान पर हैं। अभिषेक शर्मा लिस्ट में छठे स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2025 में 859 रन बनाए थे जबकि पाकिस्तानी बैटर साहिबजादा फरहान ने साल 2025 में 771रन बनाए थे और वो सूची में 10वें स्थान पर हैं।

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक T20I रन (पूर्ण सदस्य)

1326 रन - मोहम्मद रिजवान (2021)
1164 रन - सूर्यकुमार यादव (2022)
996 रन - मोहम्मद रिजवान (2022)
939 रन - बाबर आजम (2021)
936 रन - ब्रायन बेनेट (2025)
859 रन - अभिषेक शर्मा (2025)
783 रन - इशान किशन (2026)
781 रन - विराट कोहली (2022)
775 रन - तंजीद हसन (2025)
771 रन - साहिबजादा फरहान (2025)

T20I में एक कैलेंडर साल में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन

1164 रन - सूर्यकुमार यादव (2022 में, 31 पारियां)
859 रन - अभिषेक शर्मा (2025 में, 21 पारियां)
783 रन - इशान किशन (2026 में, 22 पारियां)
781 रन - विराट कोहली (2022 में, 20 पारियां)
733 रन - सूर्यकुमार यादव (2023 में, 17 पारियां)
689 रन - शिखर धवन (2018 में, 17 पारियां)
656 रन - रोहित शर्मा (2022 में, 29 पारियां)
641 रन - विराट कोहली (2016 में, 13 पारियां)

तिलक ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगा यशस्वी को छोड़ा पीछे

इशान ने तोड़ा युवराज-रोहित समेत 5 बैटर का यह रिकॉर्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में तिलक वर्मा और इशान किशन दोनों ने भारत के लिए शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। तिलक और इशान की पारी के दम पर भारत ने इस मैच में 20 ओवर में 5 विकेट पर 219 रन बनाए और इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम ने 17.5 ओवर में 129 रन बनाए और इस टीम को 90 रन से हार मिली। इस मैच में तिलक ने अपनी पारी के दम पर श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया जबकि इशान ने युवराज सिंह-रोहित शर्मा समेत 5 बैटर्स को पीछे छोड़ दिया।

तिलक वर्मा ने श्रेयस और राहुल को छोड़ा पीछे

तिलक वर्मा ने इस मैच में 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाया साथ ही उन्होंने 29 गेंदों पर नाबाद 60 रन की पारी खेली। टी20आई में ये छठा मौका था जब तिलक वर्मा 50 प्लस की पारी खेलकर नाबाद रहे और श्रेयस व केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया। श्रेयस व राहुल टी20आई में अब तक 5-5 बार 50 प्लस की पारी खेलकर नाबाद रहे हैं। यानी भारत की तरफ से टी20 प्रारूप में 50 प्लस की पारी खेलकर सबसे ज्यादा बार नाबाद रहने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तिलक तीसरे नंबर पर आ गए।

भारत की तरफ से ञ्ज20इ में सबसे ज्यादा बार 50+ की पारी खेलकर नाबाद रहने वाले बैटर्स

- 22 - विराट कोहली
- 10 - रोहित शर्मा
- 10 - सूर्यकुमार यादव
- 6 - तिलक वर्मा
- 5 - श्रेयस अय्यर
- 5 - केएल राहुल

तिलक ने तोड़ा यशस्वी का रिकॉर्ड- तिलक वर्मा ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की तरफ से टी20आई में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव (23 गेंद) के साथ आ गए। तिलक ने यशस्वी का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने ऐसा कमाल 29 गेंदों पर किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर वैभव सूर्यवंशी हैं जिन्होंने ये कमाल 18 गेंदों पर किया था।

जिम्बाब्वे के खिलाफ T20I में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले टॉप-7 भारतीय

वैभव सूर्यवंशी- 18 गेंद (हरारे, 2026)
तिलक वर्मा- 23 गेंद (हरारे, 2026)
सूर्यकुमार यादव - 23 गेंदें (मेलबर्न, 2022)
यशस्वी जायसवाल - 29 गेंदें (हरारे, 2024)
अभिषेक शर्मा - 33 गेंदें (हरारे, 2024)
केएल राहुल - 34 गेंदें (मेलबर्न, 2022)
शुभमन गिल - 35 गेंदें (हरारे, 2024)

इशान ने युवराज, रोहित समेत 5 बैटर्स का रिकार्ड तोड़ा

इशान किशन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रन की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच बने। साल 2026 में ये चौथा मौका था जब वो टी20आई में प्लेयर ऑफ द मैच बने। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की तरफ से एक साल में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने देर शाम सहसपुर लोहारा के ग्रामीण अंचलों का किया दौरा

ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर सुनी समस्याएं, कई विकास कार्यों की दी सौगात बच्चों को देखकर रुकवाया काफिला, खिलाई चॉकलेट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शुक्रवार देर शाम कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी जंगल, कुम्हारी, खोलवा एवं टाटावाही का दौरा कर ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुंच उनके साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनका तत्काल निराकरण भी किया। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं करते हुए क्षेत्र के विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम

व्यक्ति तक पहुंचे तथा ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। दौरे के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत सिंघनपुरी जंगल में शीतला मंदिर परिसर के पास मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपए तथा बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 3 लाख रुपए की घोषणा की गई। वहीं सिंघनपुरी जंगल के आश्रित ग्राम कुम्हारी में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 6.50 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा उप मुख्यमंत्री ने की। ग्राम पंचायत खोलवा में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वीबी-जीरामजी के अंतर्गत नवीन आंगनबाड़ी भवन एवं डोम शेड निर्माण की घोषणा की। साथ ही खोलवा के आश्रित ग्राम कटोरी में आंगनबाड़ी भवन के पास समतलीकरण कार्य के लिए 2 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा भी की। इसी प्रकार उन्होंने ग्राम पंचायत टाटावाही के अंतर्गत धनौरा के वार्ड क्रमांक 13-14 में मंच निर्माण के लिए 5 लाख रुपए तथा शेड निर्माण के लिए 8 लाख रुपए की घोषणा की। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 14 में एक हैंडपंप स्थापना, वार्ड क्रमांक 10 में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड तथा वार्ड क्रमांक 13 में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण कराने की भी घोषणा की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ईश्वरी साहू, लोहारा नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता संतोष मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि श्री परदेशी पटेल, श्री लाला राम साहू, श्री परेतन वर्मा, श्री भूखन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। बच्चों की टोली दिखी तो रुकवाया काफिला, दिलवाई चॉकलेट उनके जनसम्पर्क दौरे के दौरान एक आत्मीय क्षण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम सिंघनपुरी जंगल के कई बच्चे उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के काफिले को देखने और उनसे मिलने को चौक पर खड़े दिखे। बच्चों को देखकर उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवाया और सभी बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत की।

खैरागढ़ के ग्राम खौड़ा में नवनिर्मित पंचायत भवन का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम के दौरान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम खौड़ा पहुंचे। जहां उन्होंने 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास और पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। पंचायत भवन केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने ग्रामीणों से पंचायत भवन का बेहतर उपयोग करते हुए गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

'स्व-सहायता समूह ने बदली पूनम देवी की जिंदगी, 'लखपति दीदी' बनकर बनीं महिलाओं के लिए प्रेरणा'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार आधारित योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से जशपुर जिले की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में दुलदुला विकासखंड के ग्राम सिमड़ा की श्रीमती पूनम देवी सफलता की नई मिसाल बनकर उभरी हैं। गणेश महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य पूनम देवी आज 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। कभी परिवार की आजीविका के लिए मजदूरी पर निर्भर रहने वाली पूनम देवी ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा दी। समूह के माध्यम से उन्हें बचत, ऋण सुविधा और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी मिली, जिससे आत्मनिर्भर बनने का रास्ता खुला। समूह की अन्य महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों में सफल होते देखकर उन्होंने भी आगे बढ़ने का निर्णय लिया। मार्च 2025 में उन्होंने मुद्रा योजना के तहत 1 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और इस राशि से अपनी किराना दुकान का विस्तार किया। व्यवसाय को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के परिणामस्वरूप उनकी आय में लगातार वृद्धि हुई। वर्तमान में उनकी किराना दुकान से प्रतिमाह लगभग 30 से 35 हजार रुपये की बिक्री हो रही है। इससे वे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ बच्चों की शिक्षा पर भी बेहतर ढंग से खर्च कर पा रही हैं। पूनम देवी का कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और आर्थिक स्थिरता भी आई है। आज वे न केवल अपने परिवार का मजबूत सहारा हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

'मर्दापाल में वन मंत्री ने ग्राम पंचायत भवन और महतारी सदन का किया लोकार्पण'' महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज कोण्डागांव जिले के मर्दापाल में नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन और महतारी सदन का लोकार्पण किया। लगभग 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवन और लगभग 25 लाख रुपये की लागत से बने महतारी सदन को उन्होंने ग्रामीणों को समर्पित किया। 'महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण केंद्र' महतारी सदन में मंत्री श्री कश्यप ने बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से उनकी आजीविका गतिविधियों

और समूह से जुड़ने के बाद आय में हुए बदलाव की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि स्व-सहायता समूहों से जुड़कर उन्हें रोजगार और आय के नए अवसर मिल रहे हैं। वन मंत्री ने कहा कि महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 'ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका' वन मंत्री श्री कश्यप ने महिलाओं से फलदार पौधों का रोपण, पशुपालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि इन गतिविधियों को मेहनत और बेहतर योजना के साथ किया जाए तो ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महतारी सदन महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशोदा कश्यप, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री टोमेंद्र ठाकुर, जनपद सदस्य श्रीमती कौशल्या कोर्राम, श्रीमती जयमती कश्यप, श्री रामूराम कोर्राम, श्री रामचन्द्र कश्यप, श्री रामकुमार कोर्राम, श्री रमेश सेठिया, श्री आसमन कोर्राम, श्री लक्ष्मीकांत बेलसरिया, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री विनय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुसबाका को मिली डिजिटल कनेक्टिविटी की सौगात मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशील पहल पर दूरस्थ गांव में शुरू हुआ मोबाइल टॉवर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और दूरस्थ क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की संवेदनशील पहल के तहत, प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुसबाका में नए मोबाइल नेटवर्क टॉवर का सफलतापूर्वक संचालन शुरू हो गया है। वर्षों से मोबाइल नेटवर्क की समस्या झेल रहे ग्रामीणों के लिए यह बड़ी राहत और विकास की नई शुरुआत है। मोबाइल टॉवर शुरू होने से गांव और आसपास के क्षेत्रों में संचार व्यवस्था हुई मजबूत बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 65 से 70 किलोमीटर दूर स्थित पुसबाका अब बेहतर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा से जुड़ गया है। मोबाइल टॉवर शुरू होने से गांव और आसपास के

क्षेत्रों में संचार व्यवस्था मजबूत हुई है तथा लोगों को डिजिटल सेवाओं का लाभ आसानी से मिलने लगा है। मोबाइल सुविधा से सभी वर्ग को लाभ अब ग्रामीण मोबाइल कॉल, वीडियो कॉल, ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाओं और अन्य इंटरनेट आधारित सुविधाओं का सहज उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, किसानों, महिलाओं और व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। डिजिटल इंडिया और सुशासन का लक्ष्य हुआ मजबूत बेहतर नेटवर्क के कारण शासन की विभिन्न ऑनलाइन योजनाओं का लाभ भी अब तेजी से ग्रामीणों तक पहुंचेगा। टेलीमेडिसिन के माध्यम से स्वास्थ्य परामर्श, ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल दस्तावेजों का उपयोग तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित संपर्क जैसी सुविधाएं अब पहले से अधिक सुलभ होंगी। यह पहल डिजिटल इंडिया और सुशासन के लक्ष्य को भी मजबूत करेगी। शासकीय सेवाओं से डिजिटल माध्यम से जुड़ सकेंगे मोबाइल टॉवर शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से बेहतर मोबाइल नेटवर्क की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब गांव के लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और शासकीय सेवाओं से डिजिटल माध्यम से जुड़ सकेंगे तथा देश-दुनिया से उनका संपर्क भी पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगा। सुशासन और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने संकल्प हो रहा है साकार ग्राम पंचायत पुसबाका में स्थापित यह मोबाइल टॉवर केवल संचार सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समावेशी विकास, सुशासन और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प का प्रभावी उदाहरण है।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: अवैध अतिक्रमण हटाकर वनभूमि कराई मुक्त, तत्काल शुरू किया गया पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए जशपुर वनमण्डल द्वारा वनभूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 23 जुलाई 2026 को वन परिक्षेत्र सन्ना के दो अलग-अलग स्थानों पर अतिक्रमण हटाकर शासकीय वनभूमि को मुक्त कराया गया तथा मुक्त कराई गई भूमि पर तत्काल पौधरोपण का कार्य प्रारंभ किया गया। ग्राम सुलेसा में 0.669 हेक्टेयर वनभूमि अतिक्रमण से मुक्त वन परिक्षेत्र सन्ना के ग्राम सुलेसा स्थित कक्ष क्रमांक पी-107 में लगभग 0.669 हेक्टेयर वनभूमि पर अनिल राजवाड़े द्वारा किए जा रहे अवैध अतिक्रमण की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर

नियमानुसार कार्रवाई की। अवैध कब्जा हटाकर संपूर्ण वनभूमि को विभाग के आधिपत्य में लिया गया। इसके साथ ही भूमि को पुनः हरित स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से उसी दिन पौधरोपण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। इस पहल से क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने और जैव विविधता के संरक्षण को बल मिलेगा। ग्राम चुंदापाठ में अवैध निर्माण हटाकर वनभूमि कराई मुक्त इसी दिन वन परिक्षेत्र सन्ना के ग्राम चुंदापाठ स्थित कक्ष क्रमांक पी.एफ. 109 के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सूर्यनारायण यादव, पिता जानकी यादव, निवासी चुंदापाठ द्वारा वनभूमि पर पत्थरों की घेराबंदी कर ईंटों से छपरी का निर्माण कर उसमें मवेशी रखे जा रहे थे। वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया और संबंधित व्यक्ति को वनभूमि से बेदखल कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। वनभूमि संरक्षण के लिए सतत अभियान जारी जशपुर वनमण्डल द्वारा वनभूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण, निर्माण एवं कब्जे के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभाग का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि मुक्त कराई गई भूमि पर पौधरोपण एवं प्राकृतिक पुनर्जीवन के माध्यम से वनों का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना भी है। वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि शासकीय वनभूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण न करें। यदि कहीं भी वनभूमि पर अतिक्रमण अथवा वन अपराध की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम वन कार्यालय को दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा सके। जशपुर वनमण्डल ने स्पष्ट किया है कि वन संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

500 विद्यालयों में पोषण, पर्यावरण और सहभागिता का संगम, बैगलेस डे पर सूरजपुर की अनूठी पहल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में विद्यालयों को शिक्षा के साथ पोषण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का केंद्र बनाने की दिशा में सूरजपुर जिले ने बैगलेस डे पर उल्लेखनीय पहल की। जिले के लगभग 500 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में एक साथ पोषण वाटिका निर्माण, न्योता भोजन, अतिरिक्त पूरक पोषण आहार वितरण तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का आयोजन किया गया। इस अभिनव पहल में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत विद्यालय परिसरों में सेमी, लौकी, बरबट्टी, खीरा, तरोई सहित विभिन्न मौसमी सब्जियों का रोपण किया गया। इन पोषण वाटिकाओं में तैयार होने वाली ताजी सब्जियों का उपयोग प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत मध्यान्ह भोजन में किया जाएगा। इससे बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलने के साथ प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और पोषण के प्रति व्यवहारिक समझ भी विकसित होगी। बैगलेस डे के अवसर पर अनेक विद्यालयों में 'न्योता भोजन' का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने बच्चों के लिए फल, मिठाई एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया। वहीं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक ने कहा कि बैगलेस डे केवल पुस्तकों से अलग एक दिन नहीं, बल्कि बच्चों को जीवनोपयोगी कौशल, सामुदायिक सहयोग, श्रम का सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव सिखाने का प्रभावी माध्यम है। सूरजपुर का यह नवाचार शिक्षा, पोषण और जनसहभागिता के समन्वित मॉडल के रूप में प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रहा है।

उप मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री ने कबीरधाम में विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की मैराथन समीक्षा

किसानों को खाद की निर्बाध उपलब्धता और अवैध शराब कारोबार पर संयुक्त अभियान चलाने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और कबीरधाम जिले के प्रभारी मंत्री एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति तथा विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। अवैध शराब बिक्री पर हो सख्त कार्रवाई बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में किसानों को खाद की उपलब्धता समान रूप से सुनिश्चित की जाए तथा सभी सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध रहे। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देश दिए कि अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री और अवैध चखना दुकानों पर पुलिस विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। गोधाम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अभी जिले में 17 गोठानों की स्वीकृति मिली है। उन्होंने 10 अगस्त तक सभी का पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले में लगभग 30 हजार मीट्रिक टन

मछली उत्पादन हो रहा है, जिसे बढ़ाकर 35 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। जिले की अर्थव्यवस्था और जीडीपी बढ़ाने सभी विभाग करें प्रयास उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जिले की अर्थव्यवस्था और जीडीपी बढ़ाने की दिशा में सभी विभाग प्रयास करें। नगरीय निकायों में पट्टा सर्वेक्षण एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। सरस्वती साइकिल योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि साइकिलों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। वेंडर द्वारा उपलब्ध कराई गई साइकिलें गुणवत्तापूर्ण होने पर ही स्वीकार की जाएं। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। समय-सीमा में आवास निर्माण कराएं पूर्ण उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने जिले में गुलाबी चने के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रबी सीजन में इसका रकबा एवं उत्पादन बढ़ाने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण कराने, जनजागरूकता बढ़ाने तथा किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। मरम्मत योग्य सड़कों का शीघ्र कराएं सुधार उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले की बिहान समूह की महिलाएं सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना का कार्य कर रही हैं और यह प्रदेश का पहला ऐसा समूह है। उन्होंने इन महिला समूहों को अन्य कार्यों के लिए भी अनुबंध उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मरम्मत योग्य सड़कों का शीघ्र सुधार कराने और सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे सीधे अंतिम व्यक्ति तक- उद्योग मंत्री श्री देवांगन उद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आम लोगों और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर कमियों में तत्काल सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए बेहतर कार्य अपनाने और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी पटवारी अपने मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इसके लिए कलेक्टर को आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश दिए। अधिक से अधिक घरों में सोलर रूफटॉप पैनल श्रम विभाग की समीक्षा में उन्होंने सभी विकासखंड मुख्यालयों में पंजीयन शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों का अन्यत्र अटैचमेंट किया गया है, उन्हें तत्काल मूल पदस्थापना स्थल पर भेजा जाए ताकि विद्यालयों में नियमित शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक घरों में सोलर रूफटॉप पैनल लगाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। धान खरीदी हो पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित- सांसद श्री पाण्डेय सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने जिले की धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा के दौरान धान उठाव में अनियमितताओं पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धान खरीदी पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में संचालित अटल टिंकरिंग लैब की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि इन प्रयोगशालाओं का बेहतर उपयोग विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक सोच और तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए किया जाए।